संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 176
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शनिवार 26 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

प्रधानमंत्री मोदी ने 'सेवा यात्रा' में शामिल युवाओं से किया संवाद, कहा- 'ये अनुभव अमूल्य हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत वाराणसी से वडनगर तक जाने वाली 'सेवा यात्रा' में शामिल लोगों से संवाद किया। पीएम मोदी ने उनका हालचाल जाना और 'सेवा यात्रा' में उनके सफर और लोगों के बीच संदेश के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा में जो अनुभव आपको मिल रहे हैं, वो सचमुच में अमूल्य हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा यात्रियों से संवाद करते हुए कहा कि आप सभी बाबा विश्वनाथ और मां गंगा का आशीर्वाद लेकर वडनगर में चीर पुरातन हाटकेश्वर महादेव के दर्शन करने जा रहे हैं। पूरे रास्ते आप सेवा कार्य भी कर रहे हैं। यह निश्चित रूप से बहुत बड़े सौभाग्य की बात है। पीएम मोदी ने कहा कि वडनगर ने उन्हें जीवन के संस्कार दिए और काशी ने संस्कारों में सेवा के अनगिनत रंग भरे। उन्होंने कहा, 'मुझे संतोष है कि आप सभी युवा साथी भी अपनी यात्रा को अनेक सेवा के रंगों से सरावोर कर रहे हैं। ये रंग सेवा, संस्कार, संकल्प के हैं। ' उत्तर प्रदेश के सेवा यात्री कुलदीप पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे जब एक गांव में रात्रि विश्राम के लिए पहुंचे, तो लोगों ने बड़े उत्साह के साथ उनका स्वागत किया था। एक घर में बेहद स्वादिष्ठ खाना बनाया गया, तब एक छोटे बच्चे ने भी बोला था कि वह भी मोदी जी के गांव जाना चाहते हैं। पीएम मोदी ने कुलदीप पटेल से पूछा कि हर दिन गाड़ी से लंबी दूरी तय करनी होती है, तो परेशानी रहती होगी। इस पर सेवा यात्री ने कहा कि कोई परेशानी नहीं होती है। सभी सेवा यात्रियों में आपके प्रति स्नेह और ऊर्जा के साथ सभी आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा यात्रा में शामिल लोगों से कहा, 'सेवा संकल्प यात्रा में जो अनुभव आपको मिल रहे हैं, वो सचमुच में अमूल्य हैं। आपकी पूरी जीवन यात्रा में ये यात्राएं एक नई ऊर्जा भर देगी और लोगों के बीच जाना और उनसे जुड़ने उसमें अपने आपको ढाल देना ये अपने आप में एक अद्भूत अनुभव होता है और अलग-अलग प्रदेश के गांवों में आप जब जाएंगे तो आपको पता चलेगा कि भारत कितना भव्य, विराट और विशाल है ये सब आप किताबों में नहीं समझेंगे जो आप इस यात्रा में देख सकते हैं। ' उन्होंने कहा कि हर जगह अलग-अलग परंपराएं हैं। खान-पान अलग होता है।

'सेवा यात्रा में शामिल लोगों से कहा, 'सेवा संकल्प यात्रा में जो अनुभव आपको मिल रहे हैं, वो सचमुच में अमूल्य हैं।'

'समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उत्थान ही राष्ट्र निर्माण'

● पं. दीनदयाल की जयंती पर पीएम मोदी ने किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सुभाषितम में भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल को नमन किया है। इसके साथ ही संस्कृत श्लोक के जरिए पुरुषार्थ से सफलता के बारे में बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रसेवा के सच्चे साधक पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती पर सादर नमन। उन्होंने समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान को राष्ट्र निर्माण का आधार माना और अंत्योदय की एक ऐसी विचारधारा दी, जिससे आज भी जनकल्याण की अद्भुत प्रेरणा मिलती है। आइए, इस विशेष अवसर पर उनके विचारों और आदर्शों को आत्मसात कर सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने का संकल्प दोहराएं।' इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने संस्कृत का श्लोक

भी साझा किया, 'यथा यथा प्रयत्नः स्याद्भवेदाशु फलं तथा। इति पौरुषमेवास्ति दैवमस्तु तदेव च॥ इस श्लोक का हिंदी अर्थ है, मनुष्य जितना अधिक पुरुषार्थ और प्रयास करता है, उतनी ही शीघ्र सफलता प्राप्त करता है। इसलिए केवल भाग्य नहीं बल्कि कर्म, साहस और नए विचारों को साकार करने का पुरुषार्थ ही सफलता और नवाचार का मार्ग प्रशस्त करता है। यह श्लोक प्रसिद्ध हिंदू दार्शनिक ग्रंथ 'योगवासिष्ठ' से लिया गया है। यह इस ग्रंथ के द्वितीय प्रकरण (मुमुक्षुव्यवहारप्रकरणम्) के छठे सर्ग का दूसरा श्लोक है। योगवाशिष्ठ महारामायण संस्कृत सहित्य में अद्वैत वेदान्त का विशाल ग्रन्थ है। परम्परानुसार आदिकवि वाल्मीकि योगवाशिष्ठ महारामायण के रचयिता माने जाते हैं, लेकिन वास्तविक रचयिता वशिष्ठ हैं और महर्षि वाल्मीकि इस सिद्धांत ग्रन्थ के संकलनकर्ता मात्र हैं। योगवाशिष्ठ महारामायण में जगत् की असत्ता और परमात्मसत्ता का विभिन्न दृष्टान्तों के माध्यम से प्रतिपादन है।

'एक ने गन निकाली, बाकी दो ने चाकू, फिर बारी-बारी से की दरिंदगी'

कालकाजी गैंगरेप पीड़िता ने पुलिस को बताई सच्चाई

एजेंसी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के कालकाजी इलाके में हुई गैंगरेप की घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस के सामने बयान दर्ज कराया है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि वह जन्मदिन के दिन दोस्त के साथ मंदिर में पूजा के लिए निकली थी। दर्शन के बाद रास्ते में एक पार्क में तीन लोगों ने उन्हें पकड़ा और गैंगरेप किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने अपने बयान में कहा कि वह जन्मदिन के अवसर पर कालकाजी मंदिर में पूजा करने के लिए निकली थी और इसकी जानकारी उसने अपनी बहन को दी थी। शाम को मंदिर में पूजा पाठ के बाद वह अपने दोस्त के साथ लौटी और कालकाजी मेट्रो स्टेशन के बाहर से खाने के लिए चिप्स और पानी की बोतल खरीदी। बाद में वे दोनों इस्कॉन मंदिर जाना चाहते थे, लेकिन उसके पहले खाने-पीने के लिए एक पार्क में चले गए। यहीं तीन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उन्हें पकड़ा। सूत्रों ने बताया कि अपने बयान में पीड़िता ने कहा है कि पार्क में तीन युवक इसके दोस्त के एक तरफ ले गए,

जबकि उसे झाड़ियों की ओर ले जाकर तीनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आपस में बातचीत के दौरान एक लड़के ने कहा, 'आसिफ भाई, गन निकाल।' जिस लड़के को आसिफ कहकर बुलाया गया, उसने बैंगनी रंग की शर्ट पहन रखी थी और वह तीनों में सबसे ज्यादा मजबूत शरीर वाला था। आसिफ ने काले रंग की बंदूक निकाली और कुछ देर बाद उसे वापस अपनी जेब में रख लिया।

आरोप है कि इसके बाद दोनों लड़कों ने चाकू निकाल लिए और उसे एक सुनसान जगह पर ले गए। आसिफ ने उसके सारे कपड़े उतार दिए और लाल रंग की बेंच पर लिटा दिया। इसके बाद उसने दूसरे लड़के से कहा, 'हेमू, इधर नजर रखना, कोई इस तरफ न आए।' आसिफ ने गर्दन पर चाकू रखकर उसके साथ जबरदस्ती की। उसे बहुत दर्द हो रहा था और वह रो रही थी।

उत्तर प्रदेश में ईएलसी कॉन्फ्रेंस स्थगित होने पर चुनाव आयोग ने दी सफाई, कहा-

तारीखों में बदलाव सामान्य प्रक्रिया

इससे पहले भी कई बार ईएलसी कॉन्फ्रेंस को स्थगित किया गया है

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में ईएलसी कॉन्फ्रेंस स्थगित होने को लेकर उठ रहे सवालों पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सफाई दी है। आयोग ने कहा है कि कार्यक्रमों की तारीखों में बदलाव एक सामान्य और लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, जो कई कारणों से जरूरी हो जाती है। ईसीआई ने बताया कि वेन्यू की उपलब्धता, उच्च अधिकारियों के कार्यक्रम और प्राकृतिक कारणों जैसे कई कारणों से तारीखों में बदलाव किया जाता है। आयोग ने कहा कि इससे पहले भी कई बार ईएलसी कॉन्फ्रेंस को स्थगित किया गया है या तारीखें बदली गई हैं, जैसे कि हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड में। आयोग ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश की इन दो कॉन्फ्रेंस को स्थगित करने का फैसला 21 सितंबर को ही लिया गया था। दरअसल, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मेरठ दौरा 25 सितंबर को प्रस्तावित था। वहीं 28 सितंबर को वाराणसी में कार्यक्रम होना था। इन कार्यक्रमों में युवाओं से संवाद के साथ-साथ चुनावी साक्षरता से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होना था। बता दें कि उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली ईएलसी कॉन्फ्रेंस यानी चुनावी साक्षरता क्लब सम्मेलन भारत निर्वाचन आयोग की एक विशेष पहल है। इसका मकसद युवा पीढ़ी और

छात्रों को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ना और उन्हें जागरूक करना है। चुनाव आयोग युवा नागरिकों में लोकतांत्रिक जागरूकता और चुनावी शिक्षा को मजबूत करने के लिए चुनावी साक्षरता क्लब सम्मेलन (ईएलसी 2.0) और ईसीआईनेट ऐप पर क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है। ईएलसी 2.0 की लॉन्चिंग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के पटना में ज्ञान भवन में की थी। इन सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक चुनावी साक्षरता क्लब को एक मजबूत मंच में बदलना है, ताकि छात्रों और शिक्षकों को लोकतांत्रिक मूल्यों, चुनावी अधिकारों और भारत की चुनावी प्रणाली के बारे में शिक्षित किया जा सके।

सम्मेलनों में ईसीआईनेट ऐप की विशेषताओं के साथ-साथ ईएलसी 2.0 पहलों पर लाइव डेमो और इंटरैक्टिव चर्चा भी होती है। ईसीआई ने देश के कई शहरों में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, जिनमें लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, पटना के ज्ञान भवन, चेन्नई के कलाइवनर अरंगम, गोवा और अहमदाबाद शामिल हैं।

'दवा की पर्ची पर हिंदी को तरजीह दें डॉक्टर'

● मरीज से मातृभाषा में करें संवाद : ब्रजेश पाठक

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने चिकित्सकों से अपील की है कि वे मरीजों को लिखी जाने वाली दवाओं और जांचों के नाम हिंदी अथवा देवनागरी लिपि में लिखें, ताकि मरीज को यह स्पष्ट रूप से पता हो कि उसे कौन सी दवा दी जा रही है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों के साथ उनकी मातृभाषा और स्थानीय बोलियों में संवाद करने का भी आग्रह किया है। ब्रजेश पाठक ने चिकित्सक समुदाय के नाम जारी अपील में कहा कि वह उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हिंदी प्रेमी भारतीय के नाते डॉक्टरों से यह आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत स्तर पर उन दवाओं को

प्राथमिकता देंगे, जिनके नाम हिंदी में लिखे होंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्था में लोकभाषाओं का इस्तेमाल बढ़ने से मरीज डॉक्टर की सलाह और उपचार को बेहतर ढंग से समझ सकेगा। इससे मरीज और चिकित्सक के बीच विश्वास भी मजबूत होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र, लोकभाषा और लोकभावना से मजबूत होता है। राष्ट्रीय एकता भी हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के सशक्त होने से मजबूत होगी। उन्होंने चिकित्सकों से आग्रह किया कि यदि वे भोजपुरी, अवधी और अन्य मातृभाषाओं में मरीजों से संवाद करेंगे तो उनकी बात मरीजों को अधिक सहजता से समझ आएगी और चिकित्सा व्यवस्था पर उनका भरोसा बढ़ेगा। ब्रजेश पाठक ने भारतीय भाषाओं के प्रयोग के संदर्भ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का भी उल्लेख किया।

मध्य प्रदेश में फर्जी पासपोर्ट रैकेट का खुलासा, 70 नकली पासपोर्ट बरामद

भोपाल । मध्य प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संगठित फर्जी पासपोर्ट रैकेट की जांच में करीब 70 फर्जी पासपोर्ट का पता लगाया है। ये पासपोर्ट राज्य में अलग-अलग पतों का इस्तेमाल करके बनवाए गए थे। अब जांच में बड़े नेटवर्क और अधिकारियों की संभावित मिलीभगत की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसटीएफ के डीआईजी राहुल लोधा ने शुक्रवार को बताया कि अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और फर्जी पासपोर्ट बनाने और हासिल करने के पीछे पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है। राहुल लोधा ने कहा, 'यह एक बहुस्तरीय मामला है और जांच अभी भी चल रही है। अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें दो दिन पहले की गई ताजा गिरफ्तारी भी शामिल है। ' ताजा गिरफ्तारी 23 सितंबर को गयाप्रसाद गौतम की हुई थी। इससे पहले 25 अगस्त से 18 सितंबर के बीच रियाल चौधरी उर्फ भंते मेतानंद, विप्लब अधिकारी, प्रियन रॉय, जॉय चौधरी और नसीम अख्तर को गिरफ्तार किया गया था। एसटीएफ के अनुसार जांच में सामने आया है कि पासपोर्ट आवेदनों में बौद्ध मठों के पतों का बार-बार इस्तेमाल किया गया था। ऐसे मामले भोपाल, बैतूल, छिंदवाड़ा, डबरा और पाहुर्ना में सामने आए हैं।

मिशन-2027: अमित शाह से केशव प्रसाद मौर्य की मुलाकात

घर-घर पहुंचेगी सरकार की योजनाएं

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी तैयारियों के बीच उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव, संगठन की तैयारियों और केंद्र तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के बाद केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की लगातार तीसरी बार

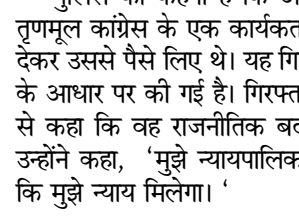

सरकार बनाने के संकल्प को लेकर अमित शाह के साथ विस्तृत रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता प्रदेशभर में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाकर 'डबल इंजन' सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से आम लोगों तथा गरीब परिवारों को मिले लाभ की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाई जाएगी। इसके साथ ही 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को लेकर भी लोगों के बीच सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का संदेश पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों के साथ संगठन को भी और अधिक सक्रिय किया जाएगा।

उमर अबदुल्ला ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया

एजेंसी

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को विधानसभा में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। प्रश्नकाल के बाद मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर को तुरंत पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि इस सदन द्वारा 26 जून 2000 और 6 नवंबर 2024 को पारित प्रस्तावों के अलावा, सदन भारत सरकार से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करता है और यह संकल्प लेता है कि इस

प्रस्ताव को भारत सरकार को भेजा जाए। फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली एनसी सरकार ने 26 जून 2000 को स्वायत्तता बहाल करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। 6 नवंबर 2024 को सदन ने विशेष दर्जा बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया था। 2000 के प्रस्ताव का जिक्र होने पर भाजपा सदस्यों ने विरोध किया और कहा कि वे सदन में स्वायत्तता के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं होने देंगे। भाजपा के पठानिया ने कहा कि हम सदन में स्वायत्तता के मुद्दे पर चर्चा नहीं होने देंगे। भाजपा सदस्य सदन के बीचों-बीच (वेल में) आ गए, कुछ लोग सीटों पर चढ़ गए और नारेबाजी करने लगे। उनमें से कुछ ने प्रस्ताव को फाड़ दिया।

दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय विचार आज भी मार्गदर्शक : नितिन नवीन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि भारत माता के महान सपूत और एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का विचार आज भी समावेशी विकास और जनकल्याण की दिशा में मार्गदर्शन करता है। नितिन नवीन ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय चिंतन और दर्शन के आधार पर ऐसी विकास दृष्टि प्रस्तुत की, जिसमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना प्रमुख था। दीनदयाल उपाध्याय का जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उनके विचारों में समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण और देश के समग्र विकास की स्पष्ट दृष्टि दिखाई देती है। वहीं, भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर फूल अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देने वाले नेताओं में प्रमुख रूप से केंद्रीय राज्यमंत्री एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, सांसद मनोज तिवारी, बांसुरी स्वराज शामिल रहे।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी के पूर्व विधायक गिरफ्तार, पार्टी पद के बदले पैसे लेने का आरोप

कोलकाता । पश्चिम बंगाल पुलिस ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के एक पूर्व विधायक को वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। उन पर पार्टी कार्यकर्ता से पार्टी पद दिलाने का वादा करके पैसे लेने का आरोप है। पश्चिम मेदिनीपुर जिला पुलिस सूत्रों के अनुसार, पिंगला विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके अजीत मैती को शुक्रवार सुबह खड़गपुर थाने के मदपुर इलाके में उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें डेबरा थाने ले जाया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन्हें दिन में मेदिनीपुर की जिला अदालत में पेश किया जाएगा, जहां सरकारी वकील पूछताछ के लिए उनकी हिरासत की मांग कर सकते हैं।

पुलिस का कहना है कि अजीत मैती पर आरोप है कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को पार्टी में पद दिलाने का झांसा देकर उससे पैसे लिए थे। यह गिरफ्तारी उसी कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर की गई है। गिरफ्तारी के बाद अजीत मैती ने पत्रकारों से कहा कि वह राजनीतिक बदले की भावना का शिकार हुए हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है और मुझे यकीन है कि मुझे न्याय मिलेगा। '

राज्यपाल ने तीन विश्वविद्यालयों में कुलगुरु नियुक्त करने के आदेश जारी किए

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में डॉ. भगवती प्रसाद सारस्वत को, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर में डॉ. युद्धवीर सिंह को तथा महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में प्रो. नरसी राम विश्नोई को कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। बागडे ने राज्य सरकार के परामर्श से कुलगुरु पद पर नियुक्तियां के यह आदेश जारी किये है।बागडे ने कुलगुरु पद पर यह नियुक्तियां कुलगुरु के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक के लिए की है।

सीएम फडणवीस बोले- सूखा पीड़ित किसानों के लिए जारी होगा शासनादेश

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अमरावती जिले में कहा कि सूबे में सूखा पीड़ित किसानों के लिए कल ही शासनादेश जारी किया जाएगा। समयऔर कैलेंडर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा करने के बाद अमरावती विमानतल पर पत्रकारों को बताया कि किसानों को सहायता देने के लिए केंद्र सरकार की मदद का इंतजार नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार अपने स्तर पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराएगी। साथ ही केंद्र से सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक पंचनामा और अन्य प्रक्रियाएं पूरी कर प्रस्ताव भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सूखे की स्थिति है, इसलिए किसानों को सहायता उपलब्ध कराना आवश्यक है। आने वाले समय में चारे और पानी की संभावित कमी को देखते हुए आवश्यक उपाय किए जाएंगे। खाद्यान्न सहायता के साथ किसानों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो, इसके लिए भी प्रत्यक्ष सहायता उपलब्ध कराने की योजना है। रबी मौसम में उपलब्ध पानी के आधार पर किन क्षेत्रों में फसलें ली जा सकती हैं, इसकी जांच की जाएगी।

महाजन रेंज पहुंचे अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर, भारत-अमेरिका युद्धाभ्यास देखा

बीकानेर। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज पहुंचकर भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास-2026' का अवलोकन किया। इस दौरान भारतीय और अमेरिकी सैनिकों ने संयुक्त प्रशिक्षण के तहत विभिन्न सैन्य क्षमताओं और परिचालन प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया। गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य 'युद्ध अभ्यास' को लेकर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने लिखा कि महाजन रेंज में अमेरिकी और भारतीय सेनाओं को एक साथ प्रशिक्षण करते देखना बेहद प्रभावशाली है। यह अभ्यास दोनों देशों की रक्षा साझेदारी की मजबूती, आपसी भरोसे, तैयारी, एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की क्षमता और साझा उद्देश्य को दर्शाता है।

मशहूर अभिनेता मुश्ताक खान का निधन

मुंबई। हिंदी सिनेमा के चर्चित चरित्र अभिनेता मुश्ताक खान के निधन की खबर से फिल्म जगत में शोक की लहर है। उनकी पीआर टीम के मुताबिक 56 वर्षीय अभिनेता पिछले करीब 15 दिनों से मुंबई के नानावती अस्पताल में भर्ती थे। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें आईसीयू में रखा गया था, जहांशाम करीब 7 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके बिजनेस पार्टनर शिवम ने भी उनके निधन की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि करीब पांच साल पहले मुश्ताक खान को कैंसर का पता चला था। इलाज के बाद वह स्वस्थ हो गए थे, लेकिन हाल ही में बीमारी दोबारा लौट आई, जिसके बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। मुश्ताक खान का अंतिम संस्कार मुंबई में किया जाएगा। उनके निधन से परिवार, करीबी लोगों और फिल्म जगत में शोक का माहौल है। मुश्ताक खान ने अपने लंबे फिल्मी सफर में अलग-अलग तरह की सहायक और हास्य भूमिकाएं निभाकर दर्शकों के बीच पहचान बनाई। बड़े पर्दे के साथ उन्होंने टेलीविजन और रंगमंच पर भी काम किया। 'हम हैं राही प्यार के', 'राजा', 'गदरः एक प्रेम कथा', 'जोड़ी नंबर 1', 'मुझसे शादी करोगी', 'वेलकम', 'वांटेड', 'ओह माय गॉड!', 'स्त्री', 'गदर 2' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्मों में वह महत्वपूर्ण सहायक भूमिकाओं में दिखाई दिए।

केरल के मुख्यमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करने को लेकर पत्रकार एंटो ऑगस्टीन से पूछताछ करेगी पुलिस

यह मामला वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केपीसीसी प्रवक्ता राजू पी. नायर की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । एर्नाकुलम में कलामसेरी पुलिस ने रिपोर्टर टीवी के मैनेजिंग एडिटर एंटो ऑगस्टीन और उनके चैनल के एक अन्य पत्रकार क पूछताछ के लिए सोमवार को बुलाया है। उनसे केरल के मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने तथा विवाह संबंधी दावों को लेकर पूछताछ की जाएगी। इस मामले में पूछताछ ऐसे समय हो रही है, जब एंटो ऑगस्टीन की अग्रिम जमानत याचिका पर अदालत शनिवार को अपना फैसला सुनाने वाली है। कलामसेरी पुलिस द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद ऑगस्टीन ने अग्रिम जमानत के लिए तिरुवनंतपुरम जिला अदालत का रुख किया था। यह मामला वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केपीसीसी

प्रवक्ता राजू पी. नायर की शिकायत पर दर्ज किया गया था। जांच के तहत रिपोर्टर टीवी के एक अन्य पत्रकार को भी शनिवार को पुलिस के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है। यह मामला उन टिप्पणियों से जुड़ा है, जो ऑगस्टीन ने करीब तीन सप्ताह पहले एक सार्वजनिक कार्यक्रम में की थीं। उन्होंने मुख्यमंत्री से जुड़े गंभीर आरोप लगाए थे और एक विवाह से संबंधित दस्तावेजों का भी उल्लेख किया था। पुलिस के अनुसार, मामले का मुख्य आधार यह आरोप है कि ये दस्तावेज फर्जी थे और उनका इस्तेमाल मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से किया गया था। आबकारी मामले में कुछ दिन जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आए ऑगस्टीन ने मुख्यमंत्री के बारे में अपनी टिप्पणियों से जुड़े एफआईआर में पहले आरोपी बनाए गए हैं। इस मामले में कथित तौर पर शामिल दो अन्य अज्ञात लोगों का भी जिक्र किया गया है। शिकायत पहले राज्य पुलिस प्रमुख को सौंपी गई थी, जिसके बाद तिरुवनंतपुरम सिटी साइबर पुलिस ने शिकायतकर्ता का विस्तृत बयान दर्ज किया। बाद में मामले की जांच कलामसेरी पुलिस को सौंप दी गई। हाल ही में राजू पी. नायर भी पुलिस के समक्ष पेश हुए और अपना बयान दर्ज कराया। नायर ने आरोप लगाया है कि सीएम वीडी सतीशन के खिलाफ लगाए गए आरोपों के पीछे एक साजिश थी। उन्होंने मांग की है कि ऑगस्टीन के पास होने का दावा किए गए दस्तावेजों को जब्त कर उनकी फॉरेंसिक जांच कराई जाए।

चिंतन शिविर में पीएम मोदी का मंत्रियों को संदेशः योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाएं, डिलीवरी पर दें जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रिपरिषद के दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' के दौरान केंद्रीय मंत्रियों से सरकार की प्रमुख योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने को कहा। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से 40-45 प्रमुख सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों तक पहुंचाने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। चिंतन शिविर में इस बात पर जोर रहा कि सरकार की योजनाओं की जानकारी केवल कागजों या सरकारी तंत्र तक सीमित न रहे, बल्कि आम लोगों तक प्रभावी तरीके से पहुंचे। मंत्रियों से अपने-अपने क्षेत्रों में योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और लाभार्थियों तक योजनाओं की वास्तविक पहुंच की स्थिति को समझने के लिए कहा गया। प्रधानमंत्री ने योजनाओं के क्रियान्वयन में 'डिलीवरी' और परिणाम को महत्वपूर्ण बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कार्यक्रमों का अंतिम आकलन इस आधार पर होना चाहिए कि उनका फायदा नागरिकों तक किस तरह पहुंच रहा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों को मीडिया से बातचीत और जनता के साथ संवाद के दौरान विषयों की बेहतर समझ रखने की सलाह दी। मंत्रियों से कहा गया कि किसी मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बोलने से पहले उससे जुड़े तथ्यों, समस्याओं और सरकार के दृष्टिकोण का गहराई से अध्ययन किया जाए।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और रक्षामंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

'राष्ट्रधर्म' और 'पाञ्चजन्य' के माध्यम से उन्होंने राष्ट्रीय विचारों को स्वर दिया'

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने शुक्रवार को अंत्योदय और एकात्म मानववाद दर्शन के प्रणेता एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

उपराष्ट्रपति ने एक्स पर कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को उनकी जयंती पर मैं सादर नमन करता हूं। एक दूरदर्शी विचारक, देशभक्त और 'एकात्म मानववाद' व 'अंत्योदय' के पुरोधा के रूप में, विकास के केंद्र में लोगों को रखने और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के उत्थान के उनके शाश्वत आदर्श, समावेशी प्रगति, सामाजिक न्याय और राष्ट्र-निर्माण की हमारी सामूहिक यात्रा को निरंतर प्रेरित करते हैं। बिरला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन सादगी, चिंतनशीलता, राष्ट्र की निस्वार्थ सेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के प्रति समर्पण का एक प्रेरणादायक उदाहरण रहा है। 'अंत्योदय' के माध्यम से, दीनदयाल ने विकास कार्यों में समाज के सबसे पिछड़े और वंचित व्यक्ति को प्राथमिकता देने की वकालत की। उनके विचारों का मूल सार यह था कि विकास

तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचे और हर व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन जीने के अवसर मिलें। स्वदेशी, आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रीय एकता पर उनके विचार आज भी समकालीन भारतीय विमर्श और राष्ट्र-निर्माण की चर्चाओं में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। दीनदयाल उपाध्याय के विचार और उनका व्यक्तित्व सदैव प्रेरणा के स्रोत बने रहेंगे।राजनाथ सिंह ने कहा कि उपाध्याय का जीवन राष्ट्र की निस्वार्थ सेवा, सादगी, ईमानदारी और सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 'अंत्योदय' के माध्यम से उन्होंने समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास, अवसर और सम्मान पहुंचाने का मार्ग दिखाया, वहीं 'एकात्म मानववाद' के जरिए उन्होंने समावेशी, संतुलित और एकीकृत विकास का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उनके विचार, जीवन और आदर्श सदैव राष्ट्र-सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि दीनदयाल राजनीति को सत्ता पाने का साधन नहीं बल्कि राष्ट्र-सेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान का माध्यम मानते थे। 'राष्ट्रधर्म' और 'पाञ्चजन्य' के माध्यम से उन्होंने राष्ट्रीय विचारों को स्वर दिया, साथ ही अनेक आंदोलनों के ज़रिए राष्ट्रीय एकता के मुद्दों को पूरी स्पष्टता के साथ उठाया। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्गमंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय के विचारों और सिद्धांतों ने देश को एक वैकल्पिक विचारधारा प्रदान की। राष्ट्र के पुनर्निर्माण में उनकी विचारधारा ने अहम भूमिका निभाई। गरीबों के कल्याण के उद्देश्य से, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के दर्शन और अंत्योदय की विचारधारा को साकार किया और उसे करके दिखाया। ऐसे महान दूरदर्शी को नमन। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याणमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का सिद्धांत ही हमारी प्रेरणा है। उन्होंने राष्ट्र को एकात्म मानववाद के रूप में एक ऐसा उत्कृष्ट विचार दिया है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत की नींव है। आपका आदर्श जीवन और पवित्र विचार सभी को राष्ट्रोत्थान और जन-कल्याण के कार्यों के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

असम की महिलाओं को दुर्गा पूजा का तोहफा

अगले महीने 'ओरुनोदोई' योजना के तहत मिलेंगे 1,500 रुपए

एजेंसी

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य की प्रमुख कल्याणकारी योजना 'ओरुनोदोई' के लाभार्थियों को अक्टूबर महीने के लिए 1,500 रुपए की बढ़ी हुई वित्तीय सहायता मिलेगी। उन्होंने इस वृद्धि को दुर्गा पूजा से पहले महिलाओं के लिए एक खास तोहफा बताया। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अक्टूबर में 'ओरुनोदोई' की राशि बढ़ाकर 1,500 रुपए की जाएगी। यह अतिरिक्त सहायता हमारे परिवारों की खुशियों और त्योहारी तैयारियों में सहभागी बनने का एक प्रयास है।' मुख्यमंत्री सरमा ने अपने पोस्ट में कहा, 'दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर असम की नारी शक्ति के लिए एक विशेष उपहार है।' उन्होंने यह भी कामना की कि मां दुर्गा का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। ओरुनोदोई योजना असम के प्रमुख सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में से एक है, जो महिलाओं को घरेलू खर्चों में सहायता करने और वित्तीय सुरक्षा

में सुधार करने के लिए मासिक वित्तीय सहायता देती है। योजना के तहत असम में महिलाओं को मासिक 1,250 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है। सरकार ने इसमें 250 रुपए का इजाफा किया है। यह बढ़ी हुई राशि सरकार के त्योहारी उपायों के तहत विशेष रूप से अक्टूबर माह के लिए लागू होगी। गुवाहाटी के लोक सेवा भवन में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में हुई असम कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय पारित किया गया। इस फैसले से राज्य भर में लगभग 40 लाख 'ओरुनोदोई' लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। कैबिनेट ने दुर्गा पूजा से पहले अन्य फैसलों की भी घोषणा की, जिसमें असम टी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एटीसीएल) के पात्र कर्मचारियों और चाय बागान श्रमिकों के लिए 20 प्रतिशत पूजा बोनस शामिल है। एक अन्य फैसले में, असम सरकार के कर्मचारियों के लिए 17 अक्टूबर को अतिरिक्त अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश दुर्गा पूजा के मद्देनजर घोषित किया गया है, क्योंकि 18 अक्टूबर रविवार को पड़ रहा है।

बिहार में लड़की से छेड़छाड़ का एक और वीडियो वायरल, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

पटना । बिहार के जमुई और समस्तीपुर जिलों में सामने आई लड़की के साथ बदसलूकी और छेड़छाड़ की घटनाओं के बाद अब बांका जिले के मंदार हिल में एक लड़की से छेड़छाड़ और बदसलूकी का आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बौंसी पुलिस ने छह से सात अज्ञात युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, यह वीडियो सोशल मीडिया सेल को व्हाट्सऐप के जरिए मिला था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बौंसी थानाध्यक्ष पंकज कुमार झा पुलिस टीम के साथ मंदार हिल पहुंचे और जगह का सत्यापन किया। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पुष्टि हुई है कि वीडियो मंदार हिल पर ही रिकॉर्ड किया गया है। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि यह वीडियो हाल का नहीं है और आशंका है कि यह घटना इसी साल अप्रैल में हुई होगी। वीडियो में छह से सात अज्ञात युवक एक लड़की के साथ अनुचित व्यवहार करते दिख रहे हैं। पुलिस अभी तक वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान नहीं कर पाई है। जांचकर्ता स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रहे हैं ताकि आरोपियों की पहचान हो सके और घटना के बारे में पता चल सके। बौंसी थाने में थानाध्यक्ष पंकज कुमार झा की लिखित शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। अज्ञात आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74, 75, 76 और 3(5) के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66ई और 67ए के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने वीडियो को सबूत के तौर पर सुरक्षित कर लिया है और इसकी उत्पत्ति, इसमें शामिल लोगों की पहचान और इसे रिकॉर्ड तथा सर्कुलेट करने की परिस्थितियों की जांच कर रही है। जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे इस वीडियो या लड़की की पहचान उजागर करने वाली किसी भी सामग्री को शेयर न करें।

कोटा में भाजपा का कब्जा : कांग्रेस की क्रास वोटिंग से अनुसुइया गोस्वामी बनीं महापौर

सुकेत नगर पालिका में 1 वोट से जीते बीजेपी के जितेंद्र चोपड़ा

एजेंसी

कोटा। कोटा नगर निगम के महापौर चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए नगर निगम की बागडोर संभाल ली है। भाजपा प्रत्याशी अनुसुइया गोस्वामी कोटा नगर निगम की नई महापौर निर्वाचित हुई हैं। शुक्रवार को हुए मतदान में भाजपा प्रत्याशी को कुल 65 मत प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता सुमन को मात्र 35 मतों से ही संतोष करना पड़ा। 100 सदस्यीय नगर निगम बोर्ड में स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा 51 था। भाजपा के पास 57 निर्वाचित पार्षद थे और 4 में से 2 निर्दलीय पार्षदों (वंदना फौजदार और कौशल किशोर शर्मा) ने पहले ही पार्टी को समर्थन दे दिया था। वहीं, कांग्रेस के पास 39 पार्षदों का कैडर था, लेकिन परिणाम में कांग्रेस

प्रत्याशी को केवल 35 वोट मिले, जिससे कांग्रेस खेमे में 4 पार्षदों द्वारा क्रास वोटिंग किए जाने की पुष्टि हुई है। कोटा जिले की नवगठित 25 वार्डों वाली सुकेत नगर पालिका में हुए पहले अध्यक्षीय चुनाव में बेहद रोमांचक मुकाबले के बाद भाजपा के जितेंद्र चोपड़ा ने जीत हासिल की। मतदान का गणितः भाजपा के जितेंद्र चोपड़ा को कुल 13 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी उमरदीन खान को 12 वोट प्राप्त हुए। सीटों की स्थितिः सुकेत में कांग्रेस के 11, भाजपा के 10 और 4 निर्दलीय पार्षद जीतकर आए थे। भाजपा ने निर्दलीयों का समर्थन हासिल कर 1 वोट के अंतर से पालिका अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। महापौर चुनाव के दिन राजनीतिक हलचल बेहद तेज रही। भाजपा के सभी पार्षद झालावाड़ रोड स्थित रिसोर्ट में की गई बाड़ेबंदी से एक साथ साफा व पारंपरिक पगड़ी पहनकर बसों के जरिए मतदान करने नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। मतदान से पूर्व जीत का दावा करते हुए नव-निर्वाचित महापौर अनुसुइया गोस्वामी ने कहा कि पार्टी एकजुटता के बल पर विकास के नए आयाम स्थापित करेगी।

मतदान के दौरान नगर निगम परिसर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तीखा राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला। प्रशासन द्वारा सड़क पर बैरिकेडिंग लगाए जाने और कांग्रेस के नेताओं को रोकने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राखी गौतम ने जिला प्रशासन व पुलिस पर सीधे तौर पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया। उन्होंने कहाः 'भाजपा बहुमत होने के बावजूद डरी हुई थी और सत्ता के बल पर पुलिस-प्रशासन के जरिए कांग्रेस पार्षदों पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया। मतदान के दौरान भाजपा नेताओं को बिना रोक-टोक अंदर जाने दिया गया।

110वीं जयंती पर याद किए गए पंडित दीनदयाल उपाध्याय

भाजपा नेताओं ने 'अंत्योदय' के संकल्प को दोहराया

एजेंसी

रांची । एकात्म मानववाद के प्रणेता और अंत्योदय के प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर राजधानी रांची के दीनदयाल नगर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, राज्य के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, विधायक सीपी सिंह, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, तथा जिला अध्यक्ष वरुण साहू सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और कर्मठ कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपा नेताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों और

सिद्धांतों को याद करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का संकल्प दोहराया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार, जीवन दर्शन, सिद्धांत और अंत्योदय की भावना राष्ट्रसेवा के पथ पर हम सभी को सदैव प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का पूरा जीवन समाज के वंचित और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहा, और उनका दिखाया मार्ग आज भी जनसेवा के लिए सबसे बड़ा मार्गदर्शक है।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने उन्हें महान विचारक बताते हुए कहा कि 'एकात्म मानववाद' का उनका विचार और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का संकल्प ही भारतीय जनता पार्टी का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि पंडित जी की नीतियां और उनके विचार हमें निरंतर राष्ट्रसेवा और जनसेवा के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देते हैं।संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा का साधन माना। उनके एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचार आज भी कार्यकर्ताओं को समाज के कमजोर और वंचित वर्ग तक पहुंचने की प्रेरणा देते हैं।कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए पदचिह्नों पर चलने और उनके सपनों के भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

पीएम मोदी के साथ महिला की एआई-मॉर्फ्ड फोटो हटाने की मांग, दिल्ली हाईकोर्ट याचिका पर सुनवाई को तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट शुक्रवार को उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया है, जिसमें प्रधानमंत्री के साथ एक महिला की एआई जनरेटेड और मॉर्फ्ड फोटो को तुरंत हटाने और ब्लॉक करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास, अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और रत्ना सिंह पर यह फोटो शेयर करने का आरोप लगाया है। अधिवक्ता उमेश शर्मा ने इस मामले का जिक्र मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय के समक्ष किया। उन्होंने कोर्ट को बताया कि इस घटना को लेकर पहले ही एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। हाईकोर्ट ने आश्वासन दिया कि मामले की सुनवाई शुक्रवार को ही की जाएगी। महिला ने आरोप लगाया है कि सीजेपी नेताओं और उनके सहयोगियों ने बिना अनुमति उसकी फोटो हासिल की और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फेस-स्वैपिंग टूल का इस्तेमाल करके उसके चेहरे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक आपत्तिजनक फोटो पर लगा दिया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि मॉर्फ्ड फोटो को फिजिकल बैनरों पर प्रिंट करके जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शनों के दौरान दिखाया गया और अपमानजनक नारे भी लगाए गए।

याचिका में यह भी कहा गया है कि बैनरों और घटना के वीडियो इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए गए और बाद में मॉर्फ्ड तस्वीरों को पोर्नोग्राफिक वेबसाइटों पर भी डाल दिया गया। याचिकाकर्ता ने इस घटना को एक दुर्भावनापूर्ण, सुनियोजित साइबर हमला, सार्वजनिक चरित्र हनन और डीपफेक बताया है। याचिका के मुताबिक यह घटना जुलाई में जंतर-मंतर पर सीजेपी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई थी। याचिकाकर्ता ने बताया कि उसने 23 सितंबर को पुलिस से संपर्क किया। दिल्ली पुलिस ने 24 सितंबर को साइबर पुलिस स्टेशन, नई दिल्ली में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की। याचिका में कहा गया है कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद साइबर अधिकारियों ने वायरल डीपफेक कंटेंट को हटाने या ब्लॉक करने के लिए तुरंत कदम नहीं उठाए। लगातार फोटो के प्रसार के कारण याचिकाकर्ता को लगातार जान से मारने की धमकी, रेप की धमकियां और गंभीर मानसिक आघात' झेलना पड़ रहा है।

महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को मिल रही नई दिशा : अश्विनी परांजपे

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को शिक्षा, पोषण और देखभाल के साथ मिल रहा मां की ममता का भाव : कृष्णा गौर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी, मध्यप्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर एवं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के बागसेवनिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 735, अमराई में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित किया। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के राष्ट्रसेवा और समर्पण भाव को 'आशीर्वाद का दीप' समर्पित किया गया है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लगातार समाज सशक्त हो रहा है और आंगन मिलन सेवा अभियान' में आंगन, मिलन और सेवा का सुंदर समन्वय देखने को मिला। मध्यप्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को शिक्षा, पोषण और देखभाल के साथ मां की ममता का भाव मिल रहा है। साथ ही, 'आंगन मिलन सेवा अभियान' के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा और समर्पण को भी सम्मान मिल रहा है। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और मध्यप्रदेश में महिलाओं के सम्मान एवं सशक्तिकरण को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। महिलाओं की भागीदारी आज समाज के हर क्षेत्र में बढ़ रही है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बाग मुगालिया स्थित आंगनवाड़ी में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने आंगनवाड़ी परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर प्रदेश शासन की मंत्री प्रतिमा बागरी, महिला मोर्चा की महामंत्री ज्योति सिंह, सपना वर्मा, मोना सुस्तानी, प्रज्ञा त्रिपाठी, मोनिका ठाकुर, शीला पाटीदार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय रहवासी मौजूद रहीं। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि 'आंगन मिलन सेवा अभियान' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सेवा, समर्पण और सामाजिक योगदान को सम्मान देने का अवसर है। इस अभियान के नाम में ही इसकी भावना निहित है, इसमें आंगन भी है, मिलन भी है और सेवा भी है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के विकास, पोषण और संस्कार का महत्वपूर्ण केंद्र हैं, कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ बच्चों और परिवारों के बीच सेवा का कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी समाज के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर बढ़ी है। आज महिलाएं शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, उद्योग, राजनीति, प्रशासन और सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ सीधे महिलाओं तक पहुंच रहा है, जिससे वे आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक सशक्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को केवल योजनाओं तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी महिला शक्ति का महत्वपूर्ण उदाहरण हैं, जो बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में निरंतर योगदान दे रही हैं। 'आंगन मिलन सेवा अभियान' के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संवाद स्थापित करने, उनके कार्यों को सम्मान देने और समाज में सेवा की भावना को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। यह अभियान महिला शक्ति, सेवा और सामाजिक सहभागिता को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। मध्यप्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 25 सितंबर से 5 अक्टूबर तक 'आंगन मिलन सेवा अभियान' चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से सेवा और समर्पण भाव से कार्य कर रहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बण्डा की दयोदय गौशाला में किया वृक्षारोपण, गौवंश को खिलाया चारा एवं गुड़ के लड्डू

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बण्डा स्थित दयोदय गौशाला पहुंचकर गौसेवा की। उन्होंने सर्वप्रथम गौशाला परिसर में वृक्षारोपण किया। सेवा संकल्प यात्रा के यात्रियों ने भी गौशाला परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौशाला में गौवंश को चारा एवं गुड़ के लड्डू खिलाए। इस दौरान उन्होंने गौशाला परिसर का अवलोकन भी किया तथा गौसेवा से जुड़े कार्यों की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौशाला में उपस्थित गौसेवकों एवं संबंधितों से चर्चा की। उन्होंने गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर दमोह सांसद श्री राहुल सिंह लोधी, बण्डा विधायक श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्रीमती रानी कुशवाहा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जगदीश कुमार गोमे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मोना दांगी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गौसेवक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री जी ने महिलाओं को राष्ट्र शक्ति के रूप में आगे बढ़ाया

महिला मोर्चा की जनसेवा और राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका है : रूप कुमारी चौधरी

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इसके पश्चात उन्होंने 'महिला कार्यकर्ता संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर मोर्चा की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता बहनों से संवाद किया। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के निरंतर जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में महिला मोर्चा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने महिलाओं की समस्याओं और आवश्यकताओं को समझते हुए नारी शक्ति को केवल घर तक सीमित न रखकर राष्ट्र शक्ति के रूप में आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के अवसर प्रदान किए हैं। 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत महिला मोर्चा को 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का दायित्व मिला है, जिसके माध्यम से महिला कार्यकर्ता समाज के बीच पहुंचकर सेवा और संपर्क के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। इस दौरान महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, पार्टी की पूर्व प्रदेष उपाध्यक्ष एवं पूर्व महिला मोर्चा प्रदेष अध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी, मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रियंका मिश्रा, जिला महामंत्री मोना सुस्तानी, सपना वर्मा, ज्याति सिंह राजपूत मंचासीन रहीं। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। घर-घर शौचालय बनाकर महिलाओं को सम्मान और गरिमा प्रदान की गई, उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई को धुआ मुक्त बनाया गया और जन-धन योजना के माध्यम से महिलाओं के बैंक खाते खोले गए। मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत महिलाओं को हर माह आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जा रही है।

लखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं, गरीबों, किसानों, युवाओं और समाज के वंचित वर्गों तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इन योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने में महिला कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता केवल संगठनात्मक गतिविधियों तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के बीच सक्रिय रहकर जरूरतमंद परिवारों से संपर्क करें, उनकी समस्याओं को समझें और उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें। सेवा कार्यों के माध्यम से संगठन और समाज के बीच विश्वास का संबंध और अधिक मजबूत होता है।

महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने कहा महिलाओं की भागीदारी के बिना विकसित और सशक्त भारत का संकल्प पूरा नहीं हो सकता। आज महिलाएं शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, राजनीति, सामाजिक सेवा सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिला मोर्चा को महिलाओं को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए भी निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को अपने कार्यों के माध्यम से आगे बढ़ाएं तथा प्रत्येक बूथ और प्रत्येक परिवार तक संगठन की विचारधारा एवं जनकल्याणकारी कार्यों को पहुंचाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। कार्यक्रम के मंच का संचालन प्रदेश पैनलिस्ट एडवोकेट गुंजन चौकसे ने किया। इस दौरान प्रदेश कार्यालय मंत्री भावना सिंह, सह कार्यालय मंत्री विमला तिवारी, सुश्री सुधा सुखयानी, ललिता पूर्विया सहित महिला मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारी व कार्यकर्ता बहनें उपस्थित रहीं।

बंडा सहित देशभर के सेवा संकल्प यात्रियों से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया संवाद, यात्रियों से जाने उनके अनुभव

सेवा संकल्प यात्रा के माध्यम से देश की विविधता और संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है : उप मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से वडनगर जाने वाले सेवा संकल्प यात्रियों से संवाद किया, जिसमें बंडा से जुड़े सेवा संकल्प यात्री छत्तीसगढ़ निवासी श्री अमन अग्रहरे ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि नक्सल मुक्त हुए हमारे क्षेत्र में खुशहाली अब आई है। महिला सशक्तिकरण और विकास की बात साझा करते हुए उन्होंने सागर में महिला नेतृत्व की बात भी कही। उन्होंने सागर, रायसेन, आगरा, झांसी पहुंचे यात्रियों से संवाद किया और यात्रा के दौरान उनके अनुभव सहित उनके कुशल-मंगल की जानकारी ली। सेवा संकल्प यात्रियों ने अपने यात्रा अनुभव साझा करते हुए बताया कि सेवा में आनंद का अनुभव मिल रहा है और उत्साह के साथ यात्रा आगे बढ़ रही है। यात्रा के दौरान शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित अपने संवाद को भी यात्रियों ने प्रधानमंत्री से साझा किया। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे आयुष्मान भारत योजना के तहत एक बच्ची को कैंसर का उपचार मिला और उसके स्वस्थ होने की जानकारी दी। यात्रियों ने बताया कि देश में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता और सफाई कर्मियों का सम्मान बढ़ा है तथा सड़क, अधोसंरचना, निर्माण एवं पीएम श्री स्कूलों का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने यात्रियों से अपील की कि यात्रा के दौरान युवाओं को शासकीय योजनाओं के संबंध में जागरूक करें एवं उन्हें अधिक से अधिक योजनाओं की जानकारी दें। कार्यक्रम में उपस्थित यात्रियों को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि आठ दिन की यात्रा पूर्ण कर नौवें दिन बण्डा में दो टोलियों का एक साथ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से यात्रियों का उत्साहवर्धन किया और यात्रा के उद्देश्यों को पुनः स्थापित किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश को समझने के लिए एक कोने से दूसरे कोने तक यात्रा करना आवश्यक है। इससे देश की संस्कृति, सभ्यता और विविधता के आदान-प्रदान के साथ एकजुटता की भावना मजबूत होती है। वाराणसी से वडनगर और वडनगर से वाराणसी की यह यात्रा युवाओं को देश को समझने, विकास की दिशा तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और उनके लाभार्थियों से संवाद एवं फीडबैक लेने का अवसर प्रदान कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी स्वयं यात्रियों से फीडबैक लेकर योजनाओं के प्रभाव की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की कार्यशैली और सूक्ष्मता से कार्य करने का परिणाम है कि देश निरंतर आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर भारत की साख मजबूत हुई है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं का समाधान होने तक कार्य को पूर्ण नहीं माना जाना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में इसी भावना के साथ गरीबों के कल्याण, देश की सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और विश्व स्तरीय अधोसंरचना के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है और सेवा संकल्प यात्रा इसी भावना की झलक प्रस्तुत करती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सेवा संकल्प यात्रा के यात्रियों का सम्मान किया। उन्होंने यात्रियों से आत्मीयता से चर्चा कर यात्रा के अनुभवों की जानकारी ली और सभी का उत्साहवर्धन किया।

कुपोषण के खिलाफ मैदानी स्तर पर मजबूत हो रही पोषण व्यवस्था : सचिव रश्मि

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश में बच्चों के पोषण स्तर में सुधार और कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषण व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ कुपोषित बच्चों की पहचान, उपचार, पुनर्वास और निरंतर निगरानी पर भी विभाग का विशेष फोकस है। महिला एवं बाल विकास सचिव श्रीमती जी.वी. रश्मि ने शुक्रवार को विदिशा जिले का भ्रमण कर आंगनबाड़ी केन्द्रों, पोषण पुनर्वास केन्द्र और सामुदायिक रसोई की व्यवस्थाओं का मैदानी स्तर पर जायजा लिया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने उनके साथ भ्रमण कर जिले में संचालित विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। सचिव श्रीमती जी.वी. रश्मि ने ग्राम कुंआखेड़ी स्थित सक्षम आंगनबाड़ी के न्द्र का निरीक्षण कर बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, पोषण आहार और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। इसके बाद विदिशा ग्रामीण परियोजना के अंतर्गत खरी तथा ग्यारसपुर परियोजना के अटारीखेजड़ा क्रमांक-2 एवं 3 और मानोरा क्रमांक-2 स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं तथा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति को मौके पर देखा। ग्यारसपुर स्थित पोषण पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण करते हुए सचिव ने अतिगंभीर एवं कुपोषित बच्चों के उपचार, पोषण आहार, स्वास्थ्य सेवाओं और पुनर्वास की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों और उनके परिवारों से संवाद कर उपचार एवं पोषण की स्थिति जानी तथा संबंधित अधिकारियों से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार और उपचार के बाद उनकी निरंतर निगरानी की व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। सचिव श्रीमती रश्मि ने कहा कि कुपोषण से निपटने के लिए बच्चों को केवल भोजन उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी पोषण स्थिति की नियमित निगरानी, समय पर कुपोषण की पहचान, आवश्यक उपचार और परिवार की सहभागिता भी जरूरी है। आंगनबाड़ी केन्द्रों को बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सेवाओं का प्रभावी केन्द्र बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

बिरसिंहपुर सोलर-बैटरी स्टोरेज परियोजना पर निवेशक संवाद

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए मध्यप्रदेश में हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण क्षेत्र की निवेश संभावनाओं को किया प्रस्तुत

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश में हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए निवेश की संभावनाओं को सामने लाने के उद्देश्य से आज मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में बिरसिंहपुर 200 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर प्लस 50 मेगावाट/100 मेगावाट घंटा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम परियोजना पर निवेशक संपर्क एवं हितधारक परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय दुबे ने कार्यक्रम में मार्गदर्शन प्रदान करते हुए परियोजना तथा मध्यप्रदेश में हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश नवाचारी पूल्ड फाइनेंसिंग तंत्र और शासन के सहयोग के माध्यम से शहरी अधोसंरचना के वित्तपोषण में एक नया मानक स्थापित कर रहा है। डेवलपर्स, वित्तीय संस्थानों और ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुखों द्वारा प्रदर्शित मजबूत रुचि प्रदेश की विकास दृष्टि, संस्थागत विश्वसनीयता और सतत शहरी विकास के प्रति प्रतिबद्धता में निवेशकों के विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विभागों और सार्वजनिक संस्थानों के बीच समन्वित प्रयासों से ऐसे प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे हैं, जो पर्यावरण की दृष्टि से उत्तरदायी होने के साथ वित्तीय रूप से सुदृढ़ और निवेश के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री मंजीत सिंह ने परियोजना के उद्देश्य एवं स्वरूप की जानकारी दी। अधीक्षण अभियंता श्री अवनीश शुक्ला ने परियोजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया। निवेशकों एवं अन्य हितधारकों के साथ हितधारक परामर्श एवं प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। इसमें परियोजना से संबंधित विभिन्न विषयों पर खुली चर्चा हुई तथा निवेशकों एवं हितधारकों से सुझावों का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समन्वय मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के तकनीकी अधिकारी कमलेश भटनागर और सीईओ गणवीर सिंह ने किया कार्यक्रम में मध्यप्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में उपलब्ध निवेश संभावनाओं, परियोजना के विभिन्न पहलुओं तथा इसके संभावित अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह संवाद ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए मध्यप्रदेश की निवेश संभावनाओं को निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रहा।

मीडिया और सोशल मीडिया का संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका

सरकार के कार्यों को धरातल तक पहुंचाना मीडिया, सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी : हेमंत खण्डेलवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल की उपस्थिति में नवनियुक्त प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री बृजगोपाल लोया एवं सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी श्री शिवराज सिंह डाबी ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय परिसर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश महामंत्री श्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्री श्याम महाजन, संभाग प्रभारी श्री अभय यादव उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि केंद्रीय संगठन के निर्देशानुसार पार्टी की विचारधारा, नीतियों तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मीडिया एवं सोशल मीडिया विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार के कार्यों को धरातल तक पहुंचाना मीडिया, सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से देश के करोड़ों नागरिक लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी जनहित और प्रदेश के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया विभाग बेहतर समन्वय के साथ सरकार के कार्यों और संगठन की गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य करें। प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि मीडिया विभाग की जिम्मेदारी श्री आशीष उषा अग्रवाल देख रहे थे, जिन्हें केन्द्रीय नेतृत्व ने राष्ट्रीय सह मीडिया संयोजक एवं उसके पश्चात राष्ट्रीय मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी दी है। यह मीडिया विभाग से जुडे पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को केन्द्रीय नेतृत्व में जितना प्रतिनिधित्व इस बार मिला है शायद ही इतना पहले कभी मिला हो। इस बार आठ पदाधिकारियों को संगठन में स्थान मिला है। इसके लिए मध्यप्रदेश संगठन की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी को धन्यवाद देता हूं। श्री खण्डेलवाल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण और परिश्रम के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री बृजगोपाल लोया ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौपी है, यह निर्णय एक बार फिर सिद्ध करता है कि भारतीय जनता पार्टी वास्तव में कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक दल है। मुझे राष्ट्रीय मीडिया संयोजक श्री आशीष उषा अग्रवाल के नेतृत्व में प्रवक्ता के रूप में कार्य करने का अवसर मिला जिन्होंने मध्यप्रदेश भाजपा के मीडिया विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी और गतिशील कार्यशैली विकसित की है। अब उस उपलब्धि को बनाए रखते हुए मीडिया विभाग को और आगे ले जाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सह-प्रभारियों, प्रवक्ताओं, पैनलिस्टों तथा मीडिया विभाग के सभी साथियों के सहयोग और समन्वय से टीम भावना के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ÷विकास भी और विरासत भी के संकल्प के साथ प्रदेश को विकास की नई दिशा दे रही है। मीडिया विभाग सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों, विकास की उपलब्धियों तथा संगठन की विचारधारा को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम क्या होता है? 7 शुरुआती संकेत जो लोग नजरअंदाज कर देते हैं

बदलते लाइफस्टाइल की वजह से कम उम्र में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो रही हैं. इसमें से एक मेटाबॉलिक सिंड्रोम भी शामिल है. ये क्या होता है और इसके कौन से संकेत नजर आते हैं.. जानें..

क्या आप जानते हैं कि मेटाबॉलिक सिंड्रोम आखिर क्या होता है? लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं और इसका उन्हें अंदाजा भी नहीं होता. बिगड़े हुए लाइफस्टाइल या खराब खानपान इसका एक कारण हो सकते हैं. इस पर टीवी9 ने डॉक्टर मानसी निगम (कंसलटेंट फिजिशियन, कैलाश दीपक हॉस्पिटल) से बातचीत की. डॉक्टर का कहना है कि मेटाबॉलिक सिंड्रोम कोई एक बीमारी नहीं है. इसका मतलब है कि शरीर में कुछ ऐसी दिक्कतें एक साथ होने लगती हैं.

इसमें पेट के आसपास ज्यादा चर्बी, ब्लड शुगर बढ़ना, ब्लड प्रेशर बढ़ना, ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ना या अच्छे कोलेस्ट्रॉल का कम होना, जैसे दिक्कतें शामिल हैं. इनमें से कम से कम तीन चीजें साथ हों, तो इसे मेटाबॉलिक सिंड्रोम कहा जाता है. इससे आगे चलकर डायबिटीज, दिल की बीमारी और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है.

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के संकेत

पेट और कमर का बढ़ना- अगर वजन खासतौर पर पेट के आसपास बढ़ रहा है, तो यह शरीर में इंसुलिन के सही से काम न करने से जुड़ा हो सकता है.

बहुत ज्यादा प्यास लगना- ब्लड शुगर बढ़ने पर शरीर ज्यादा पानी मांग सकता है.

बार बार यूरिन आना- जब ब्लड में शुगर ज्यादा होती है, तो शरीर उसे पेशाब के रास्ते बाहर निकालने की कोशिश करता है.लगातार थकान- ब्लड शुगर बढ़ने पर शरीर शुगर को ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाता, इसलिए आपको बार बार कमजोरी या एनर्जी कम महसूस हो सकती है.

धुंधला दिखाई देना- ब्लड शुगर बढ़ने पर नजर कुछ समय के लिए धुंधली हो सकती है.

स्किन के कलर में फर्क- गर्दन या बगल की त्वचा का काला और मोटा होना. इसे एकैंथोसिस निग्रिकन्स कहते हैं. यह अक्सर इंसुलिन रेजिस्टेंस से जुड़ा होता है, यानी शरीर इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर रहा.

ब्लड प्रेशर, ट्राइग्लिसराइड्स या गुड कोलेस्ट्रॉल में बदलाव- यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि इन चीजों में बदलाव अक्सर कोई लक्षण नहीं देता. इसलिए आप बिल्कुल ठीक महसूस कर सकते हैं, फिर भी रिपोर्ट में समस्या हो सकती है.

इसलिए अगर इनमें से कोई संकेत दिख रहा है, या आपको पहले से हाई ब्लड प्रेशर, शुगर या पेट के आसपास ज्यादा चर्बी है, तो जांच करवाएं. ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स और कमर का माप डॉक्टर से चेक करवाना जरूरी है. समय पर पता चलने पर सही डाइट, एक्सरसाइज और जरूरत पड़ने पर इलाज से आगे की परेशानियों का खतरा कम किया जा सकता है.

जनता उठ कर खड़े हो, वर्ना लुटना तय है

सवाल केवल वोट चोरी का ही नहीं है। यह भारत के लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं पर मोदी सरकार के कब्जे का है। गौरतलब है कि पहले बाकी विपक्ष राहुल के साथ नहीं था। लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र के बाद जब भाजपा विरोधी खेमे ने दिल्ली, बिहार, बंगाल सारे राज्यों में मात खाई तो सारे विपक्षी दलों को समझ आया कि राहुल गांधी जो आरोप 2024 के लोकसभा चुनावों से लगाते आए हैं, वो बेबुनियाद नहीं हैं। राजनीतिक ख़बरें पढ़ेंचोर जब घर के भीतर तक घुस आएं और घर वाले फिर भी आराम से पड़े हुए यह सोचते रहें कि चोरी रोकने के लिए पुलिस वाले आएंगे, हम उनका काम क्यों करें, तो तय है कि घर का सारा सामान लुट जाएगा। इसके बाद घर वाले पछतावा करें कि हमने किसी और का इंतजार क्यों किया, क्यों अपनी संपत्ति बचाने के लिए हम खुद खड़े नहीं हुए, तो इस पछतावे का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। बड़े बुजुर्गों ने इसलिए कहा है कि अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत। देश का मौजूदा माहौल तो ऐसा ही बन चुका है कि लोकतंत्र की लहलहाती फसल को पूरी तरह बर्बाद किया जा चुका है। पूरा खेत लोकतंत्र के दुश्मन टिड्डी दल, गिद्धों, बाजों ने खत्म कर दिया है।अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस की बुधवार को प्रकाशित खोजी रिपोर्ट इसी बर्बादी की और उन्हीं आरोपों की पुष्टि करती हुई नजर आती है, जो राहुल गांधी एक अरसे से लगा रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दो चुनाव आयुक्तों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने %10 महीने में 14 बार चुनाव आयोग के कदमों को लेकर आपत्ति% दर्ज कराई है। इन दोनों चुनाव आयुक्तों ने खुद को अंधेरे में रखने से लेकर नए मतदाताओं को जोड़ने और नाम हटाने को लेकर दर्ज कराई और %अनधिकृत, गैरकानूनी% कदमों पर सवाल उठाए। जाहिर है ये सवाल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर ही उठाए गए हैं।जून 2025 में बिहार से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। हालांकि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं उन्हें इसके ख़िलाफ़ अपील करके अपना जवाब देने का विकल्प दिया गया है, लेकिन यह किसी भी तरह व्यावहारिक नहीं है। क्योंकि इन अपीलों पर फैसला आने में वक्त लग रहा है और चुनाव में लाखों योग्य मतदाता वोट ही नहीं डाल पा रहे। यह सीधे-सीधे लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया को खत्म करने का ही कदम है। %द इंडियन एक्सप्रेस% की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन मुद्दों पर तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के भीतर भी बार-बार सवाल उठाए गए थे और आपत्तियां दर्ज की गई थीं। राहुल गांधी कई बार कह चुके हैं कि वोटर लिस्ट से नाम काटना वोट चोरी है और यह देशद्रोह है। राज्यसभा में भी 24 अप्रैल 2026 को 73 विपक्षी राज्यसभा सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए सेक्रेटरी जनरल को नया नोटिस ऑफ मोशन सौंपा था। लेकिन अब तक संसद का मानसून सत्र ही औपचारिक तौर पर समाप्त नहीं हुआ है। तो सवाल है कि क्या माननीय राज्यसभा सभापति अब उस लंबित नोटिस पर निर्णय लेंगे?अब सवाल केवल वोट चोरी का ही नहीं है। यह भारत के लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं पर मोदी सरकार के कब्जे का है। गौरतलब है कि पहले बाकी विपक्ष राहुल के साथ नहीं था। लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र के बाद जब भाजपा विरोधी खेमे ने दिल्ली, बिहार, बंगाल सारे राज्यों में मात खाई तो सारे विपक्षी दलों को समझ आया कि राहुल गांधी जो आरोप 2024 के लोकसभा चुनावों से लगाते आए हैं, वो बेबुनियाद नहीं हैं। राहुल गांधी के पिछले डेढ़-दो सालों के वीडियो और बयानों को खंगाल लीजिए, संसद से लेकर चुनावी मंच, प्रेस कांफ्रेंस या छात्रों की गूंज जैसे कार्यक्रमों में हर जगह उन्होंने लगातार यही कहा है कि देश में वोट चोरी की जा रही है। देश के सिस्टम पर जिन पांच-छह लोगों ने कब्जा कर रखा है, वो एक गिरोह की तरह देश को लूट रहे हैं। इस लूट में प्राकृ तिक संसाधनों और आम जनता की जमा-पूंजी की लूट ही शामिल नहीं है, इससे बढ़कर संविधान को खत्म करने और लोकतंत्र का हक लूटने का काम भी हो रहा है। सबसे दुख की बात यह है कि इस लूट में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका यानी लोकतंत्र के तीनों स्तंभों का बराबर का अपराध नजर आ रहा है। अगर सत्ता में बैठे लोग कुर्सी पर बने रहने के लिए लूट की साजिशें बना रहे हैं, तो प्रशासनिक अधिकारी, संवैधानिक संस्थाएं उन्हें रोक सकती हैं। लेकिन पद, पैसा या अन्य किसी दबाव में कई अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए। संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता को सत्ता के पैरों में रख दिया गया। हालात फिर भी संभल सकते थे अगर न्यायपालिका इसमें वक्त रहते दखल देती। चुनाव चोरी की तमाम अलग-अलग कोशिशों पर पिछले दो सालों में कई किस्म की याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। ईवीएम, इलेक्टोरल बॉन्ड्स, राजनैतिक दलों को तोड़ने, विधायकों-सांसदों की खरीद-फरोख्त, एसआईआर जैसी तमाम चुनावी या सियासी गड़बड़ियों पर दर्जनों याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची। हर सुनवाई के वक्त उम्मीद बंधी कि शायद इस खुली लूट पर अदालत ही कोई रोक लगाए। अगर ऐसा होता तो हालात काफी बेहतर होते। लेकिन एक भी फैसला ऐसा नहीं आया जो लुटेरों के लिए बेड़ियों का काम करता। बल्कि हर सुनवाई के बाद लुटेरों का हौसला और बुलंद होता गया। उन्हें यकीन हो गया कि इस लूट में न्यायपालिका भी साथ देगी।चंडीगढ़ मेयर चुनाव में पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह का वीडियो सुप्रीम कोर्ट समेत पूरे देश ने देखा था। जिसमें भाजपा की जीत के लिए वो मतसूची से कांग्रेस और आप के आठ वोटों को काटते दिखे थे। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने अनिल मसीह के खिलाफ नोटिस जारी किया।

इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया था। लेकिन अब वही अनिल मसीह मनोनीत पार्षद बनाए जा चुके हैं। अब हालात ऐसे बन चुके हैं कि लोकतंत्र का कत्ल केवल चंडीगढ़ में नहीं हुआ, बल्कि पूरे देश में साजिशन इसे मारने की कवायद शुरू हो चुकी है। इस साजिश का नाम एसआईआर है। बिहार में चुनाव से पहले जब सबसे पहले एसआईआर करवाने का काम शुरु हुआ था, तभी सवाल उठे थे कि जब इसी लिस्ट पर लोकसभा चुनाव हो चुके हैं तो फिर विधानसभा चुनाव से पहले इस लिस्ट को फिर से परखने की क्या जरूरत। अगर यह कवायद शुरु करना जरूरी ही है तो किसी ऐसे राज्य से इसे शुरु किया जाए, जहां चुनावों में वक्त है। इसमें अगर किसी को अपने कागजात दुरुस्त करके दिखाने हैं तो उसे वक्त भी मिलेगा। लेकिन ऐसे तर्क तो उसी के सामने काम आएंगे, जिसकी नीयत लोकतंत्र को मजबूत करने की है। जिसका लोकतंत्र को खत्म कर तानाशाही कायम करने का खतरनाक इरादा हो, उसे ऐसे तर्कों से भला क्या काम। लिहाजा बिहार में चुनावों से पहले एसआईआर हुआ, इसमें लाखों लोगों के नाम कट गए। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने तब वोटर अधिकार यात्रा निकाली थी, जिसमें तमाम विपक्षी दलों के नेता अलग-अलग वक्त में शामिल हुए। माहौल ऐसा बना कि अब भाजपा और चुनाव आयोग पर दबाव बनेगा और इस यात्रा का सार्थक नतीजा निकलेगा। लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं हुआ। इस यात्रा में ही विपक्ष के किसी दुश्मन ने नरेन्द्र मोदी की मां पर टिप्पणी की, जिसका वीडियो वायरल करने और मोदी के पक्ष में माहौल बनाने का काम गोदी मीडिया ने किया। फिर सारा विमर्श स्त्री सम्मान पर आ गया। वोट चोरी का मुद्दा दबाया गया। बाद में भाजपा की बड़ी जीत ने सारे सवालों को दबा दिया।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष उन जिंदा लोगों को बतौर सबूत ले कर आया, जिन्हें मृत बताकर वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था, लेकिन फिर भी कोई सही फैसला नहीं आया, जिससे उम्मीद बंधती कि ऐसी गलत कवायद पर रोक लगेगी। राजनीतिक खबरें पढ़ेंअब तो खैर पानी सिर के ऊपर से जा चुका है। नरेन्द्र मोदी तो अपने लिए स्थायी सत्ता का इंतजाम करने के लिए सारे नियम-कानूनों को ताक पर रख चुके हैं, संवैधानिक संस्थाओं का किस तरह क्षरण हो गया है, यह भी जाहिर है। छात्र संघ से लेकर पंचायत, नगरीय निकाय समेत हर छोटे-बड़े चुनाव में धांधली, दबाव, लूट-खसोट भाजपा की जीत का औजार बन चुकी है। मीडिया में भी पैसे का ही खेल खेला जा रहा है, करोड़ों के पैकेज पर गुलाम बनाए जा चुके पत्रकारों से निष्पक्ष रिपोर्टिंग की उम्मीद नहीं की जा सकती। तो अब रास्ता एक ही बचता है कि जनता खुद अपना वोट देने का हक बचाने के लिए जागे। राहुल गांधी या विपक्ष का कोई भी नेता केवल राह दिखा सकता है, साथ आने का आह्वान कर सकता है। मगर इससे हालात नहीं बदलेंगे। जनता को ही उठकर खड़े होना होगा। जंतर-मंतर पर देश के युवाओं ने एक राह देश को दिखाई है। तमाम शारीरिक-मानसिक ज्यादतियां झेलकर भी युवा डरे नहीं, डटे रहे। अब यही हौसला जनता दिखाए तो लोकतंत्र का घर बचेगा। वर्ना लुटेरे घर के भीतर आकर लाखों वोटों को लूट ही चुके हैं।

संपादकीय

खुद दवा लेने का रोग

विकसित व पश्चिमी देशों में गंभीर रोगों और सर्जरी तक में कम से कम दवा देने की नीति का सख्ती से पालन किया जाता है। इसके उलट हमारे देश में खांसी-जुकाम व सामान्य बुखार में भी पेनकिलर्स और एंटीबायोटिक्स का जमकर इस्तेमाल किया जाता है। हम मेडिकल स्टोरों से दवा खरीद लाते हैं और खुद ही चिकित्सक बन जाते हैं। यही वजह है कि एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध इस्तेमाल के कारण तमाम रोगियों पर ये दवाइयां कालांतर असर नहीं करती हैं। जो एक गंभीर चिकित्सीय खतरों की ओर इशारा करती है। ऐसे में दर्द कम करने वाली दवाओं यानी पेनकिलर्स और एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध इस्तेमाल को रोकने के लिये सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की हालिया सलाह, पब्लिक हेल्थ संकट की गंभीरता को ही दर्शाती है। यह विडंबना ही है कि जिन दवाओं का इस्तेमाल बेहद जरूरी होने तथा डॉक्टर की सलाह पर होना चाहिए, उन्हें हम अक्सर बचाव के तौर पर या मामूली संक्रमण के लिये भी लेने लगते हैं। दरअसल, हमारे शरीर का जैविक सुरक्षातंत्र खासा मजबूत होता है, जो मामूली संक्रमण व बीमारियों से खुद ही निबट सकता है। लेकिन उसकी प्रक्रिया कुदरती तौर पर धीमी होती है। यह बेहद चिंता की बात है कि एंटीबायोटिक्स के जरूरत से ज्यादा और गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति ने देश को ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस संकट के केंद्र में ला खड़ा किया है। इस संकट की एक बड़ी वजह यह भी है कि इन दवाओं के दुरुपयोग को लेकर आम लोगों की जानकारी बेहद कम है। जिसका लाभ आधी-अधूरी डिग्रियों वाले नीम-हकीम उठाते हैं और जल्दी ठीक करने का दावा करके मरीजों से कमाई करते हैं। लोग इस बात से वाकिफ नहीं होते कि इन दवाओं के बुरे असर यानी दवा के विपरीत रिएक्शन से किडनी आदि की दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर अधिक दवाइयां लेने का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।दरअसल, बिना चिकित्सक के परामर्श के दवाइयों की सहज उपलब्धता तथा लोगों में बढ़ती सेल्फ-मेडिकेशन की प्रवृत्ति ने भी इस संकट को बढ़ाया है। इस संकट का एक पहलू यह भी है कि कुछ चिकित्सकों में भी जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने और ज्यादा पैसे वसूलने की प्रवृत्ति पायी जाती है। ऐसी गलत प्रथाओं ने मेडिकल सिस्टम के प्रति लोगों में अविश्वास भी पैदा किया है। वहीं गरीबी के चलते पैसे की तंगी, सांस्कृतिक मान्यताओं और केमिस्टों के अनौपचारिक डॉक्टर के तौर पर बेरोकटोक काम करने से भी इस समस्या को बढ़ावा मिला है। अकसर यह महसूस किया जाता है कि देश की पूरी हेल्थकेयर शृंखला में पेशागत आचार-संहिता की नितांत कमी है। वहीं दूसरी ओर नियामक संस्थाओं की सख्त निगरानी पूरी तरह नदारद नजर आती है। सही मायने में प्रभावी बदलावों के लिये प्रोटोकॉल में कई स्तरों पर सुधार की जरूरत होगी। जिसमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर्स का व्यवहार नैतिक और जिम्मेदार होना है। निश्चय ही आज के समय में यह बेहद गंभीर चुनौती है क्योंकि इस वर्ग में अंधा मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति लगातार अनियंत्रित होती नजर आ रही है। जिसके चलते कमजोर वर्ग से आने वाले मरीज खुद ही बीमारी का अंदाजा लगाने और डॉक्टर की सलाह के बिना इलाज करने की दिशा में बढ़ जाते हैं। जब तक रोग बेहद गंभीर स्थिति में न पहुंच जाए, तब तक मरीज डॉक्टर के पास जाने से बचने की कोशिश करते हैं। वास्तव में किसी रोगी के उपचार के लिये लिखी गई दवाइयों की सख्ती से जांच करने की जरूरत है। लेकिन सिर्फ फार्मेसी में सीसीटीवी कैमरे लगाने से काम नहीं चलेगा। वैसे यह भी हकीकत है कि इस बाबत सख्त गाइडलाइंस जारी करने पर, इससे बचाव के चक्कर में दवाइयों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। वक्त की मांग है कि नागरिकों को सेल्फ-मेडिकेशन और एंटीबायोटिक्स रेजिस्टेंस के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिये देशव्यापी अभियान चलाया जाए। हालांकि, रातों-रात ढांचागत कमियां दूर न होंगी और आदतें बदलने में समय लगेगा।

भारतीय कूटनीति का नया क्षितिज : ब्रिक्स सम्मेलन

इस सम्मेलन की सफलता का प्रतिफलन यह है कि व्यापारिक नवोन्मेष और वित्तीय संप्रभुता के साथ आर्थिक और व्यापारिक मोर्चों पर भारत ने व्यापारिक लेन-देन में दूसरे देशों की मुद्रा पर निर्भरता कम करने की बात पर बल दिया है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच लोकल करेंसी सेटलमेंट सिस्टम को और मजबूत करने के साथ, देश से बाहर डिजिटल भुगतान प्रणालियों के आपसी जुड़ाव और वैश्विक ऊर्जा एवं आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू बनाए रखने जैसे मुद्दों पर आपसी बातचीत से एक ऐतिहासिक सहमति बनती दिख रही है।यथा शिखा मयूराणां नागानां मणयो यथा%-जिस प्रकार मोरों में कलगी और नागों में मणि का स्थान सर्वोपरि है, ठीक उसी प्रकार समकालीन राजनीति के इस दौर में आज का भारत वैश्विक कूटनीतिक धरातल पर अपनी समभाव की भावना को आगे बढ़ाने में सर्वोपरि रहा है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भव्य %भारत मंडपम% में संपन्न हुआ 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन महज़ अंतरराष्ट्रीय देशों की मेज़बानी करने तक ही सीमित नहीं था,बल्कि यह बदलते राजनैतिक परिदृश्य में भारत की कूटनीतिक दूरदर्शिता और वैचारिक नेतृत्व के एक नए क्षितिज का निर्माण भी कर रहा था। पारस्परिक लचीलापन, सकारात्मक नवाचार,आपसी सहयोग आदि मूलमंत्र के साथ,%नई दिल्ली घोषणापत्र% पर सभी सदस्य देशों की सर्वसम्मति को कूटनीति के क्षेत्र में भारत की एक अद्वितीय और निर्णायक पहल के रूप में देखा जा सकता है। आज के दोहरे वैश्विक संकटों, जिनमें पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल के साथ ईरान का युद्ध और पूर्वी यूरोप में रूस-यूक्रेन संघर्ष प्रमुख हैं। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि इस शिखर सम्मेलन में इन संकटों के बीच एक साझा आम सहमति बनाने की कोशिश वैश्विक पटल पर शांति के क्षेत्र में नई संजीवनी की तरह काम करेगी। जिससे वैश्विक पटल पर शांति के नए द्वार खोले जा सकते हैं।इस सम्मेलन समूचे नीतिगत ढांचे के आधार पर यह कहा जा सकता है कि भारत मंडपम केवल वैश्विक देशों के भाषणों का मंच ही नहीं बनकर रह गया,बल्कि वह ब्रिक्स देशों के आपसी संबंधों का नया ताना-बाना तैयार करने के साथ, इन संबंधों को सुधारने और द्विपक्षीय विमर्श को एक नई दिशा-दशा तय करने वाली प्रयोगशाला भी बनाकर उभरा। सीमाई गतिरोधों को दूर करने और पूर्व-स्थापित समझौतों का सम्मान करने की पृष्ठभूमि में भारत और चीन के बीच हुई गंभीर बातचीत ने यह दर्शाया है कि कूटनीतिक परिपक्वता के आलोक में आपसी संबंधों के बीच घिर आए बादलों से उपजे अंधेरे को दूर किया जा सकता है।आज अमेरिकी प्रतिबंधों से अनेक देश प्रभावित हैं। भारत

इससे अछूता नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि इन प्रभावित देशों के साथ भारत का सकारात्मक संवाद आपस के आपसी समन्वय की गति को बढ़ाने वाला साबित होगा। इस संवाद को कूटनीतिक स्वायत्तता की नई मिसाल की तरह देखा जा रहा है। वहीं, ब्रिक्स के नए सदस्य देशों के साथ भारत ने अपने पारंपरिक ऊर्जा संबंधों में सुधार करते हुए एक नए मैत्रीपूर्ण सेतु को तैयार करने का महत्वपूर्ण काम किया है।इस सम्मेलन की सफलता का प्रतिफलन यह है कि व्यापारिक नवोन्मेष और वित्तीय संप्रभुता के साथ आर्थिक और व्यापारिक मोर्चों पर भारत ने व्यापारिक लेन-देन में दूसरे देशों की मुद्रा पर निर्भरता कम करने की बात पर बल दिया है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच लोकल करेंसी सेटलमेंट सिस्टम को और मजबूत करने के साथ, देश से बाहर डिजिटल भुगतान प्रणालियों के आपसी जुड़ाव और वैश्विक ऊर्जा एवं आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू बनाए रखने जैसे मुद्दों पर आपसी बातचीत से एक ऐतिहासिक सहमति बनती दिख रही है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि यह सम्मेलन सामाजिक,आर्थिक, राजनैतिक,सांस्कृतिक,सामरिक,भौगोलिक और साहित्यिक जैसे अनेक क्षेत्रों के बीच पनप रही चेतना के अद्भुत संगम की तरह हमारे सामने खड़ा अपनी सफलता का जश्न मना रहा है। इसी के फलस्वरूप इस सम्मेलन में मानवीय सरोकारों के स्तर पर,भारत ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए %ब्रिक्स ग्रेन एक्सचेंज% और महामारी से निपटने के लिए एक त्वरित वैक्सीन सहयोग नेटवर्क का प्रस्ताव भी रखकर महत्वपूर्ण पहल की है। ऐसे में हम यदि सांस्कृतिक और साहित्यिक के रूप में इस सम्मेलन की बात करें तो लंबे समय से वैश्विक अकादमिक विमर्श और राजनैतिक-ऐतिहासिक आख्यानों पर पश्चिमी जगत का एकाधिकार रहा है।

भारत ने न केवल इस एकाधिकार के बरक्स सदस्य देशों के विचारकों, इतिहासकारों और साहित्यकारों को एक मंच प्रदान किया,बल्कि खुद भी इस एकाधिकार का हमेशा से विरोध करता चला आ रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य पूर्व और विकासशील देशों के अपने समृद्ध दर्शन, मत, वैचारिक सरोकार और समकालीन सामाजिक-साहित्यिक परिप्रेक्ष्य को वैश्विक मुख्यधारा में उनका सही व सम्मानजनक स्थान दिलाना था। इस ब्रिक्स सम्मेलन से यह संदेश संप्रेषित हुआ कि से सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से भारत एक मजबूत सहयोगी की तरह सबके साथ खड़ा है। क्योंकि इस सम्मेलन ने केवल वर्तमान की समस्याओं का समाधान नहीं किया,बल्कि भविष्य की नई संभावनाओं की तरफ भी सबका ध्यान खींचा। ब्रिक्स देशों के इस मंच से भविष्य की नई संभावनाओं के साथ एक न्यायसंगत मंच का एकजुटता दिखाते हुए शक्ति की मौलिक संकल्पना के साथ उभरना एक ऐतिहासिक परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। इस मंच से एक वैकल्पिक वैश्विक शासन का ऐसा ढांचा बनाने में मदद मिली। जिसके फलस्वरूप आपसी सहयोग के मजबूत होने से भविष्य में एक ऐसा लोकतांत्रिक ढांचा तैयार हो रहा है,जो पश्चिमी देशों के एक तरफा प्रतिबंधों और संरक्षणवाद के खिलाफ विकासशील देशों को एक सुरक्षा कवच बनकर उभरेगा साथ ही ब्रिक्स देशों ने इस मंच पर %मिशन लाइफ% और जलवायु परिवर्तन के सिद्धांतों को अपनाकर भविष्य में हरित ऊर्जा और पर्यावरण-अनुकूलन जैसे नवाचारों के लिए नए निवेश और संयुक्त अनुसंधान के नए द्वार खोलने का महती काम किया है। ब्रिक्स 2026 में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को लोकतंत्रीकरण की राह में चलने का आह्वान किया। इसकी सहायता से आने वाले समय में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ने और वैश्विक व्यापार में किसी एक मुद्रा के वर्चस्व से मुक्त होकर संतुलित और समावेशी रास्ता अपनाने पर जोर दिया।इस सम्मेलन के समूचे पहलुओं के आधार पर कहा जा सकता है कि भारत आज उस वैश्विक मुकाम पर अवस्थित है, जहां उसकी शांतिप्रियता कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी अटूट आर्थिक-सामरिक शक्ति और कूटनीतिक सामर्थ्य का परिचायक है। ऐसे में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की यह प्रसिद्ध पंक्तियां आज के सशक्त,समन्वयक और मध्यस्थ भारत की कूटनीतिक स्थिति पर सटीक बैठती प्रतीत होती हैं-क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो/ उसका क्या जो दंतहीन विषरहित विनीत सरल हो।%दो दिन चले इस मंथन में भारत ने अपनी चाणक्य सरीखी नीति के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि ब्रिक्स किसी एक विचारधारा या देश के प्रभुत्व में न आकर,वह वैश्विक कल्याण की भावना,नवीन नवाचार और सतत विकास के लिए एक व्यावहारिक और सहयोगी मंच के रूप में सबके साथ खड़ा रहे। इस सम्मेलन के माध्यम से %भारत मंडपम% से निकला मैत्री का यह उद्घोष आने वाले दशकों तक अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अर्थशास्त्र, सामरिक दृष्टि, संस्कृति और वैश्विक चिंतन की दशा-दिशा तय करने में मील का पत्थर साबित होगा। अदम गोंडवी से माफ़ी मांगते हुए उनके शब्दों में कुछ बदलाव के साथ अपनी बात खत्म करूंगा कि- राजनीतिक विश्लेषण जो उलझकर रह गई है फाइलों के जाल में,

ये दोस्ती है कमाल की!

बाघ के बच्चे के साथ अंजना

अमेरिका के एक अभयारण्य में रहने वाली चिम्पैंजी है अंजना। वह इतनी दयालु है कि उसने बहुत से जानवरों के बहुत से अनाथ बच्चों को अपनाया है। अब वह मां की तरह एक बाघ के बच्चे की देखरेख कर रही है और उसकी अठखेलियों में खुश भी हो रही है। वैसे चिम्पैंजी काफी बुद्धिमान और समझदार होते हैं और वे अपने साथ रहने वालों का भी ख्याल रखते हैं।

थेंबा का साथी एल्बर्ट

मां के मर जाने से नन्हा थेंबा (हाथी) बहुत दुखी हुआ और कई दिनों तक इसका शोक मनाता रहा। दक्षिण अफ्रीका के एक अभयारण्य में लाए जाने के बाद भी उसने खाना-पीना छोड़ रखा था। इसी दौरान उसे एल्बर्ट नाम की भेड़ के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। खेलने के साथ दोनों झपकियां भी साथ ही लेते। नए दोस्त ने इतनी खुशियां दीं कि थेंबा अपने दुख भूल गया और फिर से खाना-पीना शुरू कर दिया।

बालू-लियो और शेर खान की तिकड़ी

शेर खान दरअसल शेर नहीं, बल्कि एक बाघ है और उसके साथ बालू नाम का भालू और लियो नाम का शेर है। इन तीनों के साथ इनके मालिक ने बुरा सलूक किया था, जिस कारण बालू को चोट भी लग गई। इस मुश्किल की घड़ी में ये एक-दूसरे का सहारा बन गये और अब अमेरिका के एक अभयारण्य में ये अपना सारा वक्त साथ ही गुजारते हैं।

दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही क्लास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी क्लास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती।

अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहां से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया।

इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी क्लास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने क्लास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला।

जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और क्लास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।

हंसने वाला कोका

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।

एक है कैट आइलैंड

तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मक्खियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मक्खी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती हैं। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।

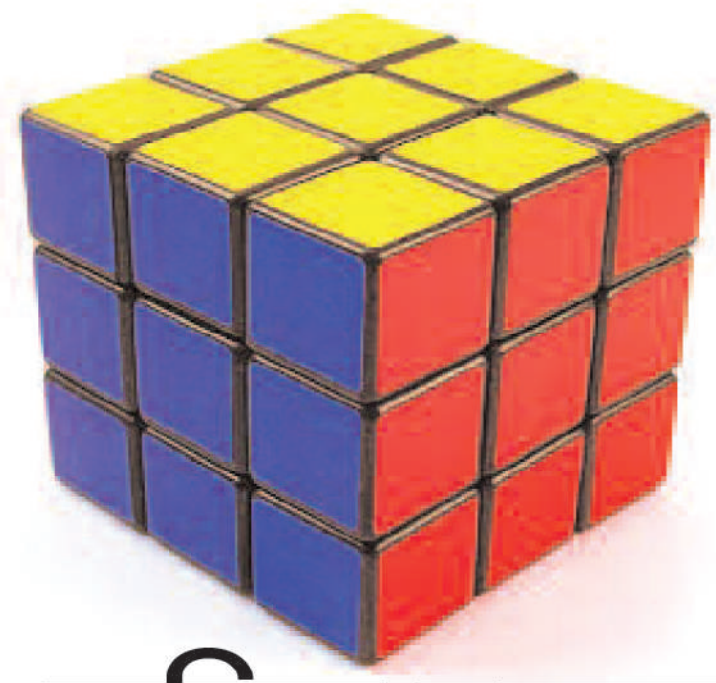

रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरंगे खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उसे हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है। इसीलिए उसे जो सही-सही खेल ले, वह बड़ा बुद्धिमान माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत से ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगिता भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जाता है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत के भार्गव नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर हैं। उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अब खबर है कि उन्होंने 5 रूबीस क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंदर हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही कर दिखाया। वैसे भार्गव केवल 22 साल के हैं और अभी पढाई कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स को जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तुम्हे बहुत मजा आएगा।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : **MPHIN/26/A1603,** संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

इंटिमेट सीन लीक होने से घबरा गई थीं

राधिका आप्टे

4 दिन तक घर से बाहर नहीं निकल सकी थीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने फिल्म इंडस्ट्री में कई बोल्ड रोल्स किए हैं. वेब सीरीज की दुनिया की भी वे मशहूर एक्ट्रेस में से एक हैं. अलग-अलग रोल्स प्ले करने के दौरान उन्हें तमाम तरह की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है. ऐसे में एक्ट्रेस का एक दफा इंटिमेट सीन का वीडियो वायरल हो गया था. इसने उन्हें बहुत अनकन्फर्टेबल कर दिया था. वे काफी घबरा गई थीं. जब उन्हें इस इंसिडेंट का पता चला उस समय वो घर में एकदम अकेली थीं.

उन्होंने इस दौरान अपने स्टाफ से भी मदद मांगी थी. वे कई दिनों तक अपने घर से बाहर भी नहीं निकल सकी थी. उनके ड्राइवर ने उस दौरान उनकी मदद की थी. एक्ट्रेस ने विस्तार से बताया है कि उन्हें किन परेशानियों का सामना करना पड़ा था.

सबकुछ अचानक हुआ

एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में इस इंसिडेंट के बारे में बात करते हुए कहा- हम लोग इंटिमेट सीन्स करने के बारे में बात कर रहे हैं. लेकिन एक बार मैंने कुछ ऐसा किया था जो लीक हो गया था और मैं 4 दिन तक अपने घर से बाहर भी नहीं निकल सकी थी. समस्या ये थी कि ये अचानक से हुआ. आपकी डोरबेल बजी और कोई आपके घर के बाहर खड़ा था क्योंकि उन्हें अपमानित महसूस हुआ. तो ये इतना भी आसान नहीं था. ये बहुत ही ज्यादा कॉम्प्लिकेटेड है. मुझे याद है कि मेरी स्टाइलिस्ट ने मुझे बताया था कि मेरा ड्राइवर उस क्लिप को देख रहा था और पूछ रहा था कि क्या मैम के घर जाना चाहिए. मेरे वॉचमैन ने

भी वो वीडियो देख लिया था. ये सब शुरू हो गया था और इससे डील करना इतना भी आसान नहीं था.

राधिका ने ठुकरा दिए थे कई प्रोजेक्ट्स

राधिका आप्टे ने इस दौरान कई सारे प्रोजेक्ट्स ठुकरा दिए थे. उन्हें एक प्रोजेक्ट उस समय ऐसा मिला था जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था क्योंकि उस समय का पॉलिटिकल माहौल वैसा नहीं था. वो पहली बार था जब किसी डर की वजह से अपनी प्रोफेशनल चॉइस के साथ समझौता किया था. इसकी एक वजह ये भी थी कि वे अपनी पूरी फैमिली को दिक्कत में नहीं डालना चाहती थीं. उन्हें वो प्रोजेक्ट छोड़ने का बुरा तो लगा था लेकिन उस समय फैमिली उनकी बड़ी प्रॉयरिटी थी. अनुराग कश्यप ने भी उन्हें वो प्रोजेक्ट ना करने की सलाह दी थी.

अपने स्टाफ से राधिका ने क्या कहा था ?

राधिका आप्टे उस समय अपने घर में अकेली थीं और बहुत घबराई हुई थीं. उस दौरान उन्होंने अपने स्टाफ को बुलाया. मैंने अपने ड्राइवर और स्पॉट दादा को बुलाया और कहा- मेरी एक क्लिप वायरल हो रही है. क्या आप लोगों ने उसे देखा है. अगर नहीं देखा है तो मैं दिखाती हूं. उसे देखिए. अगर उसे देखने के बाद आप ओके हैं तो मुझे आपके प्रोटेक्शन की जरूरत पड़ेगी. अगर आप असहज हैं तो मेरे साथ काम मत करिए. मैं आपको सैलरी दे देती हूं और आप जा सकते हैं. लेकिन उन दोनों ने कहा कि वो मेरी देखरेख करेंगे. मैं बहुत घबराई हुई थी और अपने अपार्टमेंट में अकेले रहती थी. तो हां ये थोड़ा ट्रिकी तो था.

बेकाबू हुई भीड़, कार के शीशे तोड़ेज्काजल राघवानी की गाड़ी पर हुआ हमला, एक्ट्रेस ने बताया अपना हाल

भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं. एक्ट्रेस के हजारों फैंस है, जो उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं. लेकिन इस बार काजल के साथ कुछ ऐसा हो गया है, जिससे उनको नुकसान भी पहुंच सकता था. दरअसल, बिहार शरीफ में उनके साथ एक घटना हुई है. काजल एक ज्वेलरी शोरूम के उद्घाटन के लिए वहां पहुंची थीं. जैसे ही लोगों को उनके आने की खबर मिली, उन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में फैंस शोरूम के आसपास जमा हो गए. धीरे-धीरे भीड़ इतनी बढ़ गई कि स्थिति संभालना मुश्किल हो गया और लोग काजल की एक झलक पाने के लिए उनकी गाड़ी के पीछे तक दौड़ने लगे.

इसी दौरान काजल की फॉर्च्यूनर गाड़ी पर पथराव कर दिया गया, जिसमें गाड़ी के कई शीशे टूट गए. हालांकि, जिस वक्त कार पर पत्थर फेंके गए, उस समय काजल गाड़ी में मौजूद नहीं थीं. हालात को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों और पुलिस ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश की. बताया जा रहा है कि काजल को पहले बेसमेंट में ले जाया गया और फिर वहां से सुरक्षित निकाला गया, घटना के बाद शोरूम में होने वाला सांस्कृतिक कार्यक्रम भी स्थगित कर दिया गया.

पथराव के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ कैंसिल

ज्वेलरी शोरूम के उद्घाटन के साथ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखा गया था. काजल राघवानी की मौजूदगी को लेकर लोगों में काफी उत्साह था, लेकिन बढ़ती भीड़ और बिगड़ते हालात को देखते हुए आयोजकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम को स्थगित करने का फैसला लिया. आयोजकों के मुताबिक, काजल की सुरक्षा को देखते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाना ठीक नहीं था. हालांकि, शोरूम संचालक ने भगदड़ या किसी बड़े हंगामे की बात से इनकार किया है. इस मामले पर लहेरी थानाध्यक्ष रणजीत रजक ने बताया कि पुलिस को कार्यक्रम के लिए निमंत्रण कार्ड दिया गया था. उन्होंने यह भी कहा कि आयोजन के लिए कोई लाइसेंस नहीं लिया गया था. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जानकारी जुटा रही है.

काजल ने दिया अपडेट

बता दें कि, इस हमले के बाद काजल के फैंस काफी परेशान हो गए थे. अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वो बिल्कुल ठीक हैं और किसी को भी कोई हार्म नहीं हुआ है. एक्ट्रेस आगे कहती हैं कि, हमे बहुत से कॉल आ रहे थे. सभी परेशान थेज्तो मैं आपको बता दूं कि मैं और मेरी टीम पूरी तरह से ठीक है. आप लोग टेंशन न लो.

एक ही थी शहनाज गिल...माही विज और अमन ने उड़ाया लव गिल का मजाक

'बिग बॉस 20' में घरवालों के बीच अक्सर मजेदार बातचीत और नोकझोंक देखने को मिलती रहती है. वहीं, कई बार बातों-बातों में कंटेस्टेंट्स एक दूसरे से दिल की भड़ास भी निकाल देते हैं. इस बार हाल के एपिसोड में माही विज और अमन गांधी ने लव गिल का मजाक उड़ाया है और अपने दिल की भड़ास निकाल दी है. दरअसल, एक टास्क के दौरान बातों-बातों में माही ने लव को बार-बार शहनाज गिल के नाम से बुलाना शुरू कर दिया. बता दें कि शहनाज गिल 'बिग बॉस 13' में नजर आने के बाद घर-घर में काफी पॉपुलर हो गई थीं.लव को छेड़ते हुए माही विज ने कहा, कहती है बुलाओ मुझे लव गिल, लव गिलज्अरे छत्तीस झंडे गाड़ के कबकी चली गई शहनाज गिल इसके बाद अमन गांधी भी इस मजाक में शामिल हो गए. उन्होंने माही से कहा, गंदी हैं तेरी बातें, कर ले थोड़ा चिल. लव गिल, मान लेना, एक ही थी शहनाज गिल.

लव गिल ने भी दिया जवाब

हालांकि, लव गिल भी चुप नहीं रहीं और उन्होंने मजेदार अंदाज में दोनों को जवाब दे दिया. लगातार शहनाज से तुलना किए जाने पर लव ने कहा, हर बात पर बोले, 'ये शहनाज गिल!' अबे ओ चोमू, मैं शहनाज नहीं, क्योंकि हूं मैं लव गिल! लव का यह जवाब सुनकर घर में माहौल और मजेदार हो गया. बता दें कि, ये सारी बातें एक टास्क के दौरान हुई हैं. इस टास्क में सभी घरवालों को एक दूसरे को रोस्ट करना था.

कौन हैं लव गिल ?

बता दें कि, लव गिल का असली नाम लवप्रीत कौर गिल है. वह पंजाबी एक्ट्रेस और मॉडल हैं और म्यूजिक वीडियो, टीवी और पंजाबी फिल्मों में काम कर चुकी हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी. उन्हें सिंगर करण औजला के 2019 में आए म्यूजिक वीडियो 'फैक्ट्स' से ज्यादा पहचान मिली. इसके बाद उन्होंने पंजाबी टीवी शो 'तू पतंग मैं डोर' में जरीना का किरदार निभाया, जो 2020 से 2022 तक चला. लव ने 2021 में फिल्म 'कुड़ियां जवान बापू परेशान' से पंजाबी फिल्मों में डेब्यू किया. इसके बाद वह 'हेटर्ज', 'कुलचे छोले', 'गदर 1947- इक विच्छोड़ा' और 'वेखी जा छेड़ी ना' जैसी फिल्मों में भी नजर आईं.

करण जौहर

की कंपनियों को बड़ी राहत, बॉम्बे हाई कोर्ट ने 79.7 करोड़ की टैक्स डिमांड की रद्द

बॉम्बे हाई कोर्ट ने फिल्ममेकर करण जौहर की दो प्रोडक्शन कंपनियों के खिलाफ 79.7 करोड़ रुपये से ज्यादा की टैक्स डिमांड को रद्द कर दिया है. कोर्ट ने साफ कहा कि जीएसटी कानून के तहत सिनेमैटोग्राफिक फिल्म को आईटी सॉफ्टवेयर नहीं माना जा सकता, भले ही उसे डिजिटल लिंक या हार्ड डिस्क के जरिए उपलब्ध कराया गया हो.

जस्टिस एम.एस. कर्णिक और जस्टिस संदीप पाटिल की बेंच ने 10 सितंबर को करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस और धर्माटिक एंटरटेनमेंट की याचिकाओं पर फैसला सुनाया. कोर्ट ने कहा कि किसी फिल्म या कंटेंट को किस तरीके से सप्लाई किया जा रहा है, इससे उसकी टैक्स कैटेगरी तय नहीं हो सकती.

कोर्ट ने क्या कहा ?

कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ नहीं है जिससे यह साबित हो कि एक सिनेमैटोग्राफिक फिल्म, जो ऑडियो-विजुअल कंटेंट है, कानून में दी गई इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सॉफ्टवेयर की परिभाषा में आती है. हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि फिल्म का कंटेंट हार्ड डिस्क के जरिए दिया जाए या डिजिटल तरीके से, उसकी सप्लाई का तरीका उसकी कानूनी कैटेगरी तय नहीं कर सकता. कोर्ट के मुताबिक, डिजिटल कंटेंट को सॉफ्टवेयर मानने का कोई कानूनी आधार भी नहीं है.

क्या था पूरा मामला ?

यह मामला फिल्मों के कॉपीराइट लाइसेंस से जुड़ा हुआ था. टैक्स अधिकारियों ने इन लेन-देन को स्रष्ट 998340 के तहत आईटी सॉफ्टवेयर की लाइसेंसिंग माना था, जिस पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है. राज्य के टैक्स विभाग ने 2017-18 से 2020-21 के बीच की अवधि के लिए धर्मा प्रोडक्शंस और धर्माटिक एंटरटेनमेंट पर 79.7 करोड़ रुपये की टैक्स डिमांड लगाई थी. विभाग का तर्क था कि डिजिटल लिंक या हार्ड डिस्क के जरिए फिल्म कंटेंट उपलब्ध कराना आईटी सॉफ्टवेयर सर्विस के दायरे में आता है.

एशियाई खेल 2026: अनाहत और अभय सिंह ने स्क्वैश सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ियों अनाहत सिंह और अभय सिंह ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला और पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले सीधे गेमों में जीतकर अंतिम चार में प्रवेश किया।18 वर्षीय अनाहत सिंह ने महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में अपनी हमवतन 30 वर्षीय तान्वी खन्ना को 3-0 (11-2, 11-5, 11-3) से हराया। अनाहत ने महज 15 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। अनाहत ने पहले गेम से ही मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। उन्होंने शानदार ड्रॉप शॉट्स की मदद से पहला गेम 11-2 से अपने नाम किया। उनकी तेज और आक्रामक शैली के सामने तान्वी को काफी परेशानी हुई। दूसरे गेम में भी अनाहत ने दबाव बनाए रखा। तान्वी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अनाहत ने 11-5 से गेम जीतकर बढ़त 2-0 कर ली। तीसरे गेम में भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और 11-3 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

एशियाई खेल 2026: नेपाल को 48-24 से हराकर भारतीय महिला कबड्डी टीम फाइनल में

आइची-नगोया। गत चैंपियन भारत ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 की महिला कबड्डी स्पर्धा के सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और अब स्वर्ण पदक के लिए खेलेगी। भारत ने मुकाबले की तेज शुरुआत की और शुरुआती पांच मिनट के बाद 9-5 की बढ़त बना ली। भारतीय रेडरों ने लगातार अंक जुटाए, जबकि नेपाल ने भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाने की कोशिश की। नेपाल ने वापसी का प्रयास करते हुए सोनाली को सुपर टैकल से रोककर अहम अंक हासिल किया। इसके बावजूद भारत ने 15-10 की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद नेपाल की गंगा घिमिरे ने शानदार रेड करते हुए चार अंक हासिल किए। एंकल होल्ड के बावजूद उन्होंने लाइन को छू लिया और लंबी जांच के बाद उनकी रेड को चार अंकों के रूप में मान्यता दी गई। इससे भारत की बढ़त 21-15 रह गई। हालांकि, भारतीय टीम ने इसके बाद मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। संजू देवी और सोनाली के प्रभावी प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहले हाफ की समाप्ति तक 31-17 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

शतरंज ओलंपियाड: आठवें दौर में भारत ने दोनों वर्गों में खेला ड्रॉ, रैंकिंग में आई गिरावट

समरकंद। 46वें शतरंज ओलंपियाड के आठवें दौर में गुरुवार को भारत को ओपन और महिला, दोनों वर्गों में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। ओपन वर्ग में भारत ने अजरबैजान के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला, जबकि महिला वर्ग में कजाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला 2-2 से बराबर रहा। इन नतीजों के बाद दोनों वर्गों में भारत की रैंकिंग में गिरावट आई है। ओपन वर्ग में विश्व चैंपियन ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश का अजरबैजान के ग्रैंडमास्टर महामद मुरादली के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ रहा। भारत और अजरबैजान के बीच चारों बोर्ड पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला और अंत में दोनों टीमों को एक-एक अंक बांटना पड़ा। आठ दौर के बाद भारत 13 अंकों के साथ ओपन वर्ग में सातवें स्थान पर है। मेजबान उज्बेकिस्तान 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है।महिला वर्ग में भारत को कजाकिस्तान ने 2-2 से बराबरी पर रोका। भारत की ओर से अलुआ नूरमान ने ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू को हराया। वहीं, सविता श्री ने वुमन इंटरनेशनल मास्टर एलनाज कलियाखमेत के खिलाफ ड्रॉ योग्य एंडगेम में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर भारत को ड्रॉ दिलाने में योगदान दिया।

एशियाई खेल: रुद्रांक्ष-अश्वर्य-नीरज की तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में जीता रजत

आइची-नगोया। भारत ने एशियाई खेल 2026 में निशानेबाजी में एक और पदक अपने नाम किया। रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार की भारतीय तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। भारतीय टीम ने फाइनल में 1762-94× का स्कोर बनाया और चीन के 1766-95× से चार अंक पीछे रही। चीन ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया ने 1751-87× के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत ने 2022 एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार उसे चीन से अपना खिताब गंवाना पड़ा। इस रजत के साथ भारत के एशियाई खेलों में 19 पदक हो गए हैं।

एशियाई खेल : यशस्विनी और मानुष शाह टेबल टेनिस एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी यशस्विनी घोरपड़े और मानुष शाह ने एशियाई खेल-2026 में शुक्रवार को महिला और पुरुष एकल स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यशस्विनी ने सीरिया की हिंद जाजा को 4-1 से, जबकि मानुष ने ईरान के फराजी बेन्यामिन को 4-0 से हराया। मानुष और दिया अब सेमीफाइनल में चीन की विश्व नंबर दो जोड़ी वांग चुकिन और सुन यिंगशा का सामना करेंगे।

महिला एकल के दूसरे दौर में यशस्विनी ने जाजा को 11-5, 11-5, 11-8, 8-11, 11-4 से मात दी। वहीं, मानुष ने पुरुष एकल के दूसरे दौर में ईरान के बेन्यामिन को 11-9, 11-6, 11-6, 11-5 से सीधे चार गेम में हराया। हालांकि, भारत की श्रीजा अकुला को उत्तर कोरिया की प्यों सोंग ग्योंग के खिलाफ दूसरे दौर में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। प्यों ने यह मुकाबला 11-7, 11-8, 11-13, 11-7, 11-7 से जीता। पुरुष

एकल में मनव ठाक्कर भी उत्तर कोरिया के यू ताए रयोंग के खिलाफ 2-3 से हारकर बाहर हो गए। मुकाबले में यू ताए रयोंग ने 11-4, 2-11, 7-11, 7-11, 11-4, 11-3 से जीत दर्ज की।

मिश्रित युगल में भारत ने पक्का किया पदक नएस्थान तलाशें

इससे पहले मानुष शाह और दिया चितले की जोड़ी ने मिश्रित युगल में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पदक पक्का किया। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के विश्व नंबर चार वोंग चुन टिंग और दू होई केम को 3-1 (11-6, 13-15, 11-9, 11-5) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ भारत ने एशियाई खेलों के मिश्रित युगल टेबल टेनिस में अपना कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया है। यह एशियाई खेलों में भारत का मिश्रित युगल में दूसरा पदक होगा। इससे पहले 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में शरत कमल और मनिका बत्रा ने कांस्य पदक जीता था। हालांकि, हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े की मिश्रित युगल जोड़ी का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। भारतीय जोड़ी को चीन की लिन शिदोंग और कुआई मान ने 11-5, 12-10, 11-9 से हराया।

एशियाई खेल 2026: पीटी उषा ने निशानेबाजों के जज्बे और एकाग्रता को सराहा,पदक जीतने पर दी बधाई

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियाई खेल 2026 के छठे दिन भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। भारतीय निशानेबाजों ने शुक्रवार को 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में एक-एक रजत और स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदक अभियान को मजबूती दी। पीटी उषा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए उनके जज्बे और एकाग्रता को सराहा। उन्होंने रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार के साथ-साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली सुरूचि सिंह और कमलजीत को बधाई दी और ऐश्वर्य तथा नीरज को व्यक्तिगत फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं। पीटी उषा ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों ने जिस जज्बे और एकाग्रता का प्रदर्शन किया है, उस पर गर्व है। सुरूचि और कमलजीत की युवा पिस्टल मिश्रित टीम ने शानदार निशानेबाजी का प्रदर्शन किया। ऐश्वर्य, नीरज और रुद्रांक्ष की 50 मीटर थ्री पोजीशन टीम ने भी दमदार प्रदर्शन किया। ऐश्वर्य और नीरज को उनके फाइनल के लिए शुभकामनाएं। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार की भारतीय टीम ने 1762-94× का स्कोर बनाया।

एशियाई खेल 2026: भारत ने थाईलैंड को 66-28 से रौंदकर पुरुष कबड्डी के फाइनल में बनाई जगह

मुकाबले के शुरुआती हिस्से में थाईलैंड ने भारतीय टीम को चुनौती देने की कोशिश की

एजेंसी

आइची-नगोया। आठ बार की चैंपियन और गत विजेता भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर एशियाई खेल 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम अब अपने खिताब का बचाव करने से एक जीत दूर है। भारत ने पुरुष कबड्डी स्पर्धा के अपने नौवें फाइनल में जगह बनाई है। टीम ने पूरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों हाफ में थाईलैंड पर दबदबा बनाए रखा। भारत ने पहले हाफ में 37 अंक हासिल किए, जबकि थाईलैंड 18 अंक ही जुटा सका। दूसरे हाफ में भी भारत ने 29 अंक जोड़े और थाईलैंड को केवल 10 अंक मिले। पहले हाफ में भारत ने 21 आउट अंक, 12 बोनस अंक और दो ऑलआउट हासिल किए। थाईलैंड ने 13 आउट अंक, तीन बोनस अंक जुटाए और एक ऑलआउट लगाया। मुकाबले के शुरुआती हिस्से में थाईलैंड ने भारतीय टीम को चुनौती देने की कोशिश की, लेकिन भारत ने जल्द ही अपनी पकड़ मजबूत कर ली। पहले हाफ की समाप्ति पर भारत ने 37-18 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने 22 आउट अंक और तीन बोनस अंक हासिल

किए तथा दो और ऑलआउट लगाए। थाईलैंड को इस दौरान सात आउट अंक, दो बोनस अंक और एक तकनीकी अंक मिला। भारत ने लगातार आक्रामक रेडिंग और मजबूत डिफेंस के दम पर मुकाबला एकतरफा कर दिया। थाईलैंड के खिलाड़ी थकान से जूझते दिखे, जिसका भारत ने पूरा फायदा उठाया। देवांक ने शानदार रेड करते हुए लगातार अंक जुटाए, जबकि अयान, अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार ने भी टीम की बढ़त बढ़ाने में योगदान दिया। भारतीय पुरुष टीम प्रतियोगिता में अब तक अजेय है। उसने ग्रुप ए में अपने चारों मुकाबले जीतने के बाद सेमीफाइनल में भी शानदार जीत दर्ज की। फाइनल में भारत का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा। इससे पहले भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी नेपाल को 48-24 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारत ने सेमीफाइनल में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और पहले हाफ में 31-17 की बढ़त हासिल की। दूसरे हाफ में भारत ने 17 अंक जुटाए, जबकि नेपाल केवल सात अंक ही हासिल कर सका। पहले हाफ में भारत ने 23 आउट अंक, चार बोनस अंक और दो ऑलआउट लगाए। नेपाल को 13 आउट अंक और तीन बोनस अंक मिले, जबकि उसने एक सुपर टैकल भी किया। दूसरे हाफ में भी भारत का दबदबा कायम रहा। भारतीय टीम ने 12 आउट अंक, तीन बोनस अंक और एक ऑलआउट लगाया।

एशियाई खेल : भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच ने पूर्व एशियाई चैंपियन को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जग

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 में पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सचिन ने पूर्व एशियाई चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जॉर्डन के मोहम्मद अबू जाजेह को 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से हराया। सचिन ने पहले राउंड में सतर्क शुरुआत की। शुरुआती दौर में दोनों मुक्केबाजों ने ज्यादा आक्रामकता नहीं दिखाई, लेकिन सचिन के पंच अधिक प्रभावी रहे। राउंड के अंत में लगाए गए उनके एक शानदार लेफ्ट हुक ने भी प्रभाव छोड़ा। जजों ने सचिन के पक्ष में 3-2 का फैसला दिया। दूसरे राउंड में दोनों मुक्केबाजों ने अपनी गति बढ़ाई। सचिन ने एक और प्रभावी लेफ्ट हुक लगाया, जबकि मोहम्मद ने जवाबी पंच के साथ अपनी लंबाई का फायदा उठाने की कोशिश की। मुकाबला करीबी रहा, लेकिन सचिन के पंच बेहतर तरीके से कनेक्ट हुए और जजों ने उन्हें 4-1 से यह राउंड भी

दे दिया। तीसरे और निर्णायक राउंड में जॉर्डन के मुक्केबाज ने वापसी के इरादे से आक्रामक शुरुआत की। हालांकि, वह साफ पंच लगाने में सफल नहीं रहे और थकान का असर भी दिखाई देने लगा। सचिन ने धीरे-धीरे अपनी पकड़ मजबूत की और मुकाबले के अंतिम क्षणों में संयम बनाए रखते हुए जीत सुनिश्चित की।

इस तरह सचिन ने 4-1 से स्प्लिट डिसीजन जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम आठ में उनका सामना जापान के शुनसुके किटामोटो से होगा। किटामोटो भी विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता हैं। दोनों के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला परसों खेला जाएगा।

एशियाई खेल 2026: 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत को पदक नहीं

एजेंसी

आइची-नगोया। एशियाई खेल 2026 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने के बाद भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक हासिल नहीं कर सके। ऐश्वर्य पांचवें और नीरज आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य ने फाइनल में 327.6 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया, जबकि नीरज 299 अंक के साथ आठवें और अंतिम स्थान पर रहे।

चीन के लियू युकुन ने 360.5 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके हमवतन झांग चांगहोंग 360.2 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे और कजाकिस्तान के इस्लाम सतपायेव ने 348.3 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

इससे पहले पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार की भारतीय टीम ने रजत पदक जीता था। भारत ने 1762-94× का स्कोर किया, जबकि चीन ने 1766-95× के साथ स्वर्ण और दक्षिण कोरिया ने 1751-87× के साथ कांस्य पदक हासिल किया। 2022 एशियाई खेलों में इस स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाला भारत इस बार अपना खिताब बरकरार नहीं रख सका। टीम स्पर्धा के क्वालिफिकेशन में ऐश्वर्य 589-34× के साथ तीसरे और नीरज 588-34× के साथ चौथे स्थान पर रहे थे, जबकि रुद्रांक्ष 585-26× के साथ नौवें

स्थान पर रहने के कारण व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सके थे।

इससे पहले सुरूचि सिंह और कमलजीत ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 484.6 अंक हासिल करते हुए दक्षिण कोरिया को पीछे छोड़ा। दक्षिण कोरिया ने 478.0 अंक के साथ रजत और ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। सुरूचि और कमलजीत ने इस दौरान एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने एशियन गेम्स में भारतीय पदक विजेताओं को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई नेताओं ने शुक्रवार को एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले सभी भारतीय खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, एशियन गेम्स में शूटिंग में भारत के लिए गर्व का पल। पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल और नीरज कुमार, 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने वाले कमलजीत और सुरुचि इंदर सिंह को बहुत-बहुत बधाई। आपके शानदार प्रदर्शन और बेहतरीन टीमवर्क की वजह से भारत को शूटिंग रेंज में एक और मेडल मिला है। इस जोड़ी ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता। सटीक निशाने और बेहतरीन तालमेल का शानदार प्रदर्शन। आप सभी को आगे भी ऐसी ही सफलता मिलती रहे, इसके लिए मेरी शुभकामनाएं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एशियाई खेलों में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाले पुरुष बैडमिंटन टीम, परिनाज़ धालीवाल, अनंतजीत सिंह नरुका और सीमा का शानदार प्रदर्शन और परिनाज धालीवाल तथा अनंतजीत सिंह नरुका द्वारा स्कीट मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत के लिए पहला एशियाई खेल मेडल जीतने से लेकर, महिलाओं की 10 हजार मीटर दौड़ में मेडल के लिए भारत के लंबे इंतज़ार को खत्म करने वाली सीमा की शानदार उपलब्धि तक ये सभी कामयाबियां समर्पण, मज़बूती और बरसों की कड़ी मेहनत को दिखाती हैं। वे आगे भी नई ऊंचाइयां हासिल करते रहें तथा अपनी सफलता से और भी कई लोगों को प्रेरित करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले टीम का शानदार प्रदर्शन। एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल जीतने वाली मनु टीएस, पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और विथ्या रामराज की रफ़्तार, तालमेल तथा दृढ़ संकल्प ने इस रेस को रोमांचक बना दिया और भारतीय एथलेटिक्स के लिए गर्व का पल साबित हुआ। वे और भी ऊंचाइयां हासिल करते रहें। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत के शूटिंग सितारों द्वारा एक स्वर्णिम प्रदर्शन। सुरुचि और कमलजीत की जोड़ी ने संयमित और प्रभावी प्रदर्शन करते हुए शानदार 484.6 अंक हासिल कर नया एशियाई खेल रिकॉर्ड बनाया। वहीं ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल तथा नीरज कुमार की तिकड़ी ने बेहतरीन सटीकता, संयम और टीमवर्क का प्रदर्शन किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कमलजीत और सुरुचि की शानदार प्रतिभा, कड़ी मेहनत और लगन ने सभी को गौरवान्वित किया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल और नीरज कुमार ने सबसे बड़े मंच पर सटीकता, संयम और टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन किया।

एशियाई खेल 2026: जापान को 3-1 से हराकर भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में

भारत के लिए लालरेमसियामी, इशिका चौधरी और नवनीत कौर ने गोल किए

एजेंसी

गिफू। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 के पूल बी के अहम मुकाबले में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ भारत ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए पूल में शीर्ष दो में अपना स्थान भी सुनिश्चित कर लिया। भारत के लिए लालरेमसियामी, इशिका चौधरी और नवनीत कौर ने गोल किए, जबकि जापान की ओर से शिहो कोबायाकावा ने एक गोल किया।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर के प्रयास को जापान की गोलकीपर यू कुडो ने रोक लिया, लेकिन रिबाउंड पर लालरेमसियामी ने तेजी दिखाते हुए गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को बढ़त दिला दी। जापान ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन भारतीय गोलकीपर सविता पूनिया ने माही उएनो के पेनल्टी कॉर्नर प्रयास को शानदार तरीके से रोक दिया। दूसरे क्वार्टर

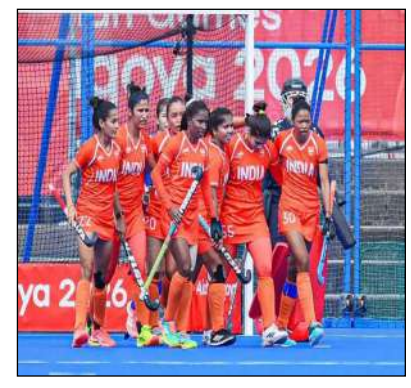

में भारत ने दबाव बढ़ाया और हाफ टाइम से ठीक पहले अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। नवनीत के पेनल्टी कॉर्नर प्रयास को जापानी डिफेंस ने रोका, लेकिन इशिका चौधरी ने रिबाउंड पर सतर्कता दिखाते हुए गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में नवनीत कौर ने जापानी डिफेंस को छकाते हुए शानदार गोल किया और भारत की बढ़त 3-0 कर दी। अंतिम क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की और शिहो कोबायाकावा ने जोरदार टॉमहॉक के जरिए गोल कर अंतर 3-1 कर दिया। हालांकि भारतीय टीम ने इसके बाद जापान के दबाव को बेअसर करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के बाद भारत के चार मैचों में चार जीत से 12 अंक हो गए हैं और उसने पूल बी में शीर्ष दो में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। जापान नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि थाईलैंड भी अपने बाकी मुकाबले जीतकर 12 अंक तक पहुंच सकता है। हालांकि जापान और थाईलैंड को अपने अंतिम पूल मुकाबले में एक-दूसरे का सामना करना है, इसलिए दोनों टीमों का एक साथ भारत के 12 अंकों तक पहुंचना संभव नहीं है। भारत अब रविवार को पूल बी के अपने अंतिम मुकाबले में सिंगापुर का सामना करेगा। भारत ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज डब्ल्यूटीसी चक्र में महत्वपूर्ण, टीम इस चुनौती के लिए हो रही तैयार: प्रसिद्ध कृष्णा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम लंबे और महत्वपूर्ण घरेलू सत्र की शुरुआत 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से करेगी। टीम का लक्ष्य 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी खुद को तैयार करना है। घरेलू सत्र से पहले जियोस्टार से बातचीत में भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने चोट से वापसी, पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की चुनौती, अलग-अलग परिस्थितियों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत और 2027 विश्व कप को लेकर अपनी तैयारियों पर बात की।

चोट से वापसी पर प्रसिद्ध ने कहा, 'चोटिल होना और चल रही क्रिकेट का हिस्सा नहीं बन पाना किसी के लिए भी मुश्किल होता है। रिहैब की प्रक्रिया कठिन होती है, क्योंकि आपको बार-बार वही चीजें करनी पड़ती हैं। ऐसे में टीम और स्पोर्ट्स साइंस स्टाफ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। आपके आसपास के लोग भी काफी मायने रखते हैं, इसलिए परिवार और दोस्तों जैसे अच्छे लोगों का साथ होना जरूरी है। 'इसके अलावा यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप चीजों को अपनी इच्छा के मुताबिक करने के लिए कितने दृढ़ हैं। यह कहना आसान है कि मैं चोटिल था, कुछ नहीं कर सका और वापसी में समय लगेगा। लेकिन मानसिक मजबूती के साथ उठकर फिर से शुरुआत करना भी जरूरी है। मैं हमेशा खुद से कहता हूं कि अगर चोट लगने के समय मैं एक स्तर पर था, तो वापसी के बाद मुझे उससे दस गुना बेहतर होना चाहिए। यह सोच बहुत महत्वपूर्ण है। ' न्यूजीलैंड दौरे को लेकर प्रसिद्ध ने कहा, 'न्यूजीलैंड पूरी तरह अलग चुनौती होगी। वहां खेलना शानदार है, लेकिन गेंदबाज के तौर पर यह आपकी हर तरह से परीक्षा लेता है– आपकी स्किल, आपकी सहनशक्ति और लगातार एक सत्र के बाद दूसरे सत्र में वापसी करने की क्षमता की। फिलहाल हमारा ध्यान बुनियादी चीजों को सही करने पर है। 'वहां पहुंचने के बाद हम परिस्थितियों को समझेंगे और उसी के अनुसार खुद को ढालेंगे। हमारा लक्ष्य हर तरह की स्किल से खुद को तैयार करना है, ताकि वहां पहुंचकर हम परिस्थितियों के अनुसार उसका इस्तेमाल कर सकें। तेज गेंदबाजों के तौर पर निश्चित रूप से हमारी परीक्षा होगी। उपमहाद्वीप की तुलना में न्यूजीलैंड में आपसे काफी ज्यादा काम करने की उम्मीद होती है और मैं इसी चुनौती का इंतजार कर रहा हूं। ' प्रसिद्ध ने 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर कहा, 'मैं दो बार पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल चुका हूं–एक बार ऑस्ट्रेलिया में और एक बार इंग्लैंड में।

सीजेपी प्रदर्शन से जुड़े कथित उत्पीड़न और एआई मॉर्फिंग मामले में अभिजीत, सौरभ और आशुतोष के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन से जुड़े कथित उत्पीड़न और एआई के जरिए तस्वीर से छेड़छाड़ के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। मामला नई दिल्ली जिले के साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पीड़िता का आरोप है कि सीजेपी प्रदर्शन के दौरान कुछ युवकों ने उसे धमकाया, उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की और उसकी तस्वीर का एआई तकनीक के जरिए गलत इस्तेमाल किया। शिकायत के अनुसार, उसकी तस्वीर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जोड़कर मॉर्फ किया गया और उसे सनसनीखेज तरीके से फ्लेक्स पोस्टर पर इस्तेमाल किया गया। दिल्ली पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एफआईआर में अभिजीत दीपके, सौरभ दास, आशुतोष रंका और रतना सिंह का नाम शामिल है।

फिलिस्तीन में शांति सिर्फ उम्मीद नहीं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अब ठोस कदम उठाने होंगे': राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू

नई दिल्ली । भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शावेश ने गाजा संघर्ष और इजरायली कब्जे को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर सवाल उठाते हुए कहा है कि फिलिस्तीन में शांति की उम्मीद तभी वास्तविकता में बदल सकती है, जब दुनिया बयानबाजी से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाए। बातचीत में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर भी सवाल उठाए। आरोप लगाया कि प्रस्ताव पारित करने के बावजूद संस्था प्रभावी तरीके से उन्हें लागू कराने में सक्षम नहीं हो पाई है। अबू ने कहा, 'फिलिस्तीन में जो स्थिति बनी हुई है, उसे महज 'संघर्ष' कहना पर्याप्त नहीं है। यह इजराइली कब्जे और लंबे समय से जारी संकट से जुड़ा मामला है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसकी गंभीरता को उसी रूप में समझना होगा।' उन्होंने कहा, 'कूटनीतिक और शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद हमेशा रहती है, लेकिन यह उम्मीद तब तक सैद्धांतिक ही रहेगी, जब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इसे व्यावहारिक स्तर पर लाने के लिए वास्तविक कदम नहीं उठाता। ' फिलिस्तीनी राजदूत ने कहा कि अब जरूरत सिर्फ शांति प्रक्रिया का जिक्र करने की नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन के लिए ठोस कार्रवाई करने की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि महज बयान जारी करने और औपचारिक प्रतिक्रियाओं से आगे बढ़कर शांति प्रक्रिया को आगे ले जाने के लिए व्यावहारिक कदम उठाए।

चुनाव आयोग पर उठे सवालों पर नकवी बोले- 'असहमति लोकतंत्र में ही संभव, तानाशाही में नहीं'

नई दिल्ली । चुनाव आयोग में असहमति को लेकर आई मीडिया रिपोर्ट्स पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि असहमति लोकतंत्र की नीयत भी होती है और नियति भी होती है। यह असहमति केवल लोकतंत्र में ही संभव है, किसी तानाशाही व्यवस्था में यह संभव नहीं है। वहीं, विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हार की हताशा में लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है, जो सफल नहीं होगी। उन्होंने कहा, 'चुनाव आयोग का सफर 1952 से शुरू हुआ और आज 2026 है। इसमें 18 से ज्यादा आम चुनाव हुए हैं, सैकड़ों विधानसभाओं के चुनाव हुए हैं। यह चुनाव आयोग तमाम तरह के चुनाव सुधारों का साक्षी रहा है और उसने चुनावों में अहम भूमिका भी निभाई है।' उन्होंने कहा, 'जहां तक सवाल है, मैं चुनाव आयोग का कोई प्रवक्ता नहीं हूं। चुनाव आयोग के अंदर जो असहमति की बातें आई हैं, उसका जवाब वह खुद देंगे। हालांकि मैं मानता हूं कि केवल असहमति के नाम पर आप किसी लोकतांत्रिक संस्था को ध्वस्त नहीं कर सकते, उसे नष्ट नहीं कर सकते। 'विपक्ष द्वारा लगातार चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाने पर नकवी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हार के बाद लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास और भ्रम फैलाने की कोशिश करते हैं।

तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, चुनाव आयोग से मांगी समय-सीमा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से कहा कि वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और आरक्षित चुनाव चिह्न को लेकर चल रहे विवाद पर फैसला करने के लिए समय-सीमा बताए। कोर्ट ने कहा कि इस मामले को अनिश्चित काल तक नहीं खींचा जाना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) और जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें ईसीआई के उस अंतरिम फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत पार्टी के नाम और उसके 'फूल और घास' वाले चुनाव चिह्न को विरोधी गुटों के बीच विवाद के कारण फ्रीज कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने यह मानते हुए कि जल्द फैसला जरूरी है, चुनाव आयोग से एक ऐसा व्यावहारिक समय-सीमा (टाइमफ्रेम) तय करने को कहा जिससे दोनों पक्षों को अपने सबूत पेश करने का उचित मौका मिले और साथ ही कार्यवाही बेवजह लंबी न खिंचे। ईसीआई के वकील से बात करते हुए, सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने कहा, 'हमें एक उचित समय-सीमा बताएं जिसमें पार्टियों को अपने सबूत पेश करने का निष्पक्ष मौका मिले, लेकिन मामला लंबा न खिंचे ।

एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक में जनहित से जुड़े कई प्रस्ताव पारित

'प्रत्येक क्षेत्र में उपलब्ध सफाई कर्मचारियों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति की बैठक में जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई और कई प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक के दौरान पक्ष एवं विपक्ष दोनों के पार्षदों को अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित समस्याएं, मुद्दे एवं सुझाव रखने का पूरा अवसर दिया गया। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि स्थायी समिति लोकतांत्रिक संवाद तथा जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि बैठक में पार्षदों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में पार्षदों द्वारा सफाई व्यवस्था, जोन में सफाई कर्मचारियों की कमी, अवैध प्ले स्कूल, सड़कों पर अवैध अतिक्रमण, बेसहारा पशुओं की समस्या, पार्कों के रखरखाव तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विषय प्रमुखता से उठाए गए। सत्या शर्मा ने सभी जोन के उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में जर्जर एवं असुरक्षित इमारतों का सर्वे कराया जाए। ऐसी इमारतों की स्थिति की नियमित समीक्षा की जाए तथा जहां आवश्यक

हो, वहां नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक जोन में कार्यरत नियमित एवं अस्थायी/अनुबंधित सफाई कर्मचारियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए। सूची के माध्यम से प्रत्येक क्षेत्र में उपलब्ध सफाई कर्मचारियों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा, ताकि जहां कर्मचारियों की कमी है, वहां आवश्यकतानुसार व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी करने तथा कर्मचारियों की उपलब्धता के अनुरूप क्षेत्रों में प्रभावी तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में एक जनप्रतिनिधि द्वारा अपने क्षेत्र में लंबे समय से संचालित पुरानी पार्किंग को बंद किए जाने से संबंधित विषय भी उठाया गया। इस संबंध में बताया गया कि पार्किंग व्यवस्था से जुड़े मामलों में स्थानीय यातायात व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधा और क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि किसी स्थान पर वर्तमान पार्किंग व्यवस्था को समाप्त करने की आवश्यकता हो, तो वहां वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी विचार किया जाए, ताकि पार्किंग बंद होने से यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। इस संबंध में आवश्यक प्रक्रिया एवं निविदा संबंधी कार्रवाई नियमानुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सत्या शर्मा ने कहा कि स्थायी समिति का उद्देश्य केवल प्रस्ताव पारित करना नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रभावी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक में उठाए गए जनहित के विषयों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए तथा संबंधित विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री ने मेगा स्वास्थ्य जांच का किया शुभारंभ

बोलीं- नहीं तोड़ी जाएगी एक भी झुग्गी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के हैदरपुर स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त दिल्ली की नींव हैं। नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के झुग्गीवासियों से संवाद करते हुए उनके आवास को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं पर भी स्पष्ट आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की एक भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। वर्षों से कठिन परिस्थितियों में रह रहे झुग्गीवासियों को बेहतर आवास उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में हैदरपुर क्षेत्र के एयू ब्लॉक और एओ ब्लॉक की झुग्गियों के लिए आवास निर्माण से संबंधित टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इन क्षेत्रों के आसपास उपयुक्त स्थान चिन्हित कर वहां आवास निर्माण का कार्य किया जाएगा। दूसरे चरण में आयुर्वेदिक अस्पताल क्षेत्र की झुग्गियों

को शामिल किया जाएगा और आसपास उपयुक्त भूमि की तलाश की जा रही है ताकि झुग्गीवासियों के लिए उनके क्षेत्र के नजदीक बेहतर आवास उपलब्ध कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी को हटाना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है। उन्होंने क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि नए शौचालय, स्वच्छ पेयजल के लिए वाटर एटीएम, अटल कैंटीन, नई सीवर लाइन, पानी की पाइपलाइन और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपलब्ध कराई जा रही हैं। सड़क को चौड़ा करने के लिए पुराने ढांचे और कूड़ेदान को हटाकर नए शौचालय एवं कूड़ेदान बनाने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में शिक्षा सुविधाओं के विस्तार की जानकारी देते हुए कहा कि हैदरपुर क्षेत्र में लंबे समय से 12वीं तक के बड़े विद्यालय की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। बच्चों को शिक्षा और दस्तावेज संबंधी आवश्यकताओं के लिए दूसरे क्षेत्रों में जाना पड़ता था। क्षेत्र में लगभग 5,000 गज भूमि नए विद्यालय के निर्माण के लिए उपलब्ध कराई गई है और इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि क्षेत्र में नए सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए भी टेंडर जारी किया गया है। इसके तैयार होने के बाद स्थानीय लोग विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए इसका उपयोग कर सकेंगे। क्षेत्र की नहर के किनारे नए छठ घाट के निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को छठ पर्व के अवसर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि हैदरपुर में नया आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थानीय नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को और सुलभ बना रहा है। आने वाले समय में क्षेत्र में 'निरोग धाम' विकसित करने की दिशा में भी काम किया जाएगा, जहां आयुर्वेदिक और एलोपैथिक दोनों पद्धतियों से जुड़ी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास होगा।

उप्र, उत्तराखंड, पंजाब के चुनाव बायोमीट्रिक पहचान आधारित मतदान प्रणाली से कराने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय नागरिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार गौतम ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब के विधानसभा के आम चुनाव बायोमीट्रिक पहचान आधारित मतदान प्रणाली से कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त को ज्ञापन भेजकर 2027 के तीन राज्यों के चुनाव व आम चुनाव को बायोमीट्रिक पहचान आधारित मतदान प्रणाली से कराने की मांग की है।

गौतम ने एक बयान में कहा कि निर्वाचन आयोग पहले बैलेट पेपर से लोकसभा और विधानसभा के चुनाव संपन्न कराते थे, लंबे समय के बाद इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन का प्रयोग किया जाने लगा। ईवीएम के प्रयोग से पारदर्शिता और सटीक अमान्य वोटों की संभावना पूरी तरह खत्म हो जाती है। जबकि कागजी मतदान के दौरान हरेक लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में धांधली के साथ मतपत्रों की छपाई का खर्च समाप्त हुआ। गिनती के दौरान समय की

बचत हुई। अब कुछ समय के बाद इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन पर उठे सवाल के समाधान में ईवीएम की निर्माता कंपनियों ने सही साबित करने के लिए एक मजबूत वीवीपीएपैट मशीन बनाकर दी। यह ईवीएम के इस्तेमाल को सही ठहराती है।

सच्ची आजादी सामाजिक सुधार से अलग नहीं हो सकती : तरनजीत सिंह संधू

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि सच्ची आजादी सामाजिक सुधार से अलग नहीं हो सकती है। ये विचार उपराज्यपाल ने गांधी आश्रम किंग्सवे कैंप दिल्ली में हरिजन सेवक संघ के 94वां स्थापना दिवस पर आयोजित सद्भावना सम्मेलन में कही।

उपराज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी, डॉ. बीआर अंबेडकर, पंडित मदन मोहन मालवीय और सरदार तेजा सिंह समुंदरी ने अपने-अपने तरीके से जातिगत भेदभाव और छुआछूत का डटकर विरोध किया। उन्होंने न्याय, सद्भाव और मानवता की सेवा पर आधारित भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को दोहराया। उपराज्यपाल ने कहा कि हमारे युवाओं को इन मूल्यों को आगे बढ़ाना होगा और एक ऐसे विकसित भारत का निर्माण करना होगा जहां सभी को सम्मान और अवसर मिलें। कार्यक्रम की

अध्यक्षता हरिजन सेवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दादा शंकर सान्याल ने की। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय पासवान, शिखा सान्याल, संघ की ट्रेजरी उर्मिला श्रीवास्तव, रंजना झा उपकुलाधिपति, सचिव निशा बाला त्यागी मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन संघ के सचिव संजय राय द्वारा किया गया।

सीबीआई की कार्रवाई, महादेव बेटिंग ऐप मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप स्कैम के मुख्य और वॉन्टेड आरोपियों में से एक अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया है। उसे दुबई से हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई की ओर से की गई अब तक की जांच से पता चला है कि अभिषेक कुमार 'महादेव बुक' के तहत ऑनलाइन बेटिंग और जुए का काम चलाने, पैनल को कोऑर्डिनेट करने, फंड इकट्ठा करने और बेटिंग व जुए से हुई अवैध कमाई से दुबई में अचल संपत्ति खरीदने में सक्रिय रूप से शामिल था। गिरफ्तारी के तुरंत बाद तलाशी के दौरान उसके पास से आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। जब्त की गई सामग्री से महादेव बेटिंग ऐप के संचालन में उसकी सक्रिय भूमिका का पता चलता है और वह अन्य मुख्य आरोपियों, जैसे सौरभ चंद्राकर और शुभम सोनी के साथ मिलकर काम करता

था। गिरफ्तारी के तुरंत बाद आरोपी को हैदराबाद की स्थानीय अदालत में पेश किया गया और तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड ली गई। बाद में उसे रायपुर अदालत में पेश किया गया और दो दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया गया।

बता दें कि छत्तीसगढ़ सरकार ने महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े छत्तीसगढ़ के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज 13 एफआईआर को सीबीआई को सौंप दिया था, जिन्हें सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया। अब तक, सीबीआई ने इस मामले में 100 आरोपियों के खिलाफ 8 चार्जशीट दायर की हैं, जिनमें महादेव बेटिंग ऐप के मुख्य प्रमोटर, पैनल ऑपरेटर, हवाला ऑपरेटर और छत्तीसगढ़ सरकार के सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। फरार अन्य आरोपियों का पता लगाने के लिए एजेंसी की ओर से आगे की जांच जारी है। वहीं, महादेव बेटिंग ऐप के मुख्य प्रमोटरों को मुकदमे का सामना करने के लिए भारत वापस लाने की कोशिशें की जा रही हैं। अब तक, 7 रेड कॉर्नर नोटिस और 2 प्रत्यर्पण प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं और 2 आरोपियों के खिलाफ प्रत्यर्पण की प्रक्रिया चल रही है।

महापौर ने हिंदूराव अस्पताल का किया निरीक्षण

अस्पताल की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया और अस्पताल परिसर एवं वार्डों में स्वच्छता का स्तर और बेहतर करने के निर्देश दिए।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने हिंदूराव अस्पताल का निरीक्षण कर अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त पंकज नरेश अग्रवाल, अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुमनलता मेहंदी रत्ता, उपायुक्त कनिका सहित निगम एवं अस्पताल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल के ओपीडी ब्लॉक, विभिन्न वार्डों, बाल चिकित्सा आपातकालीन ब्लॉक, आईसीयू तथा लेबर रूम का दौरा किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में भर्ती एवं उपचार करा रहे मरीजों से सीधे बातचीत कर उनके स्वास्थ्य, उपचार व्यवस्था तथा अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। महापौर ने विशेष रूप से मरीजों से दवाइयों की

उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि मरीजों को आवश्यक दवाइयां समय पर उपलब्ध हों। उन्होंने अस्पताल की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया और अस्पताल परिसर एवं वार्डों में स्वच्छता का स्तर और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने वार्डों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एलईडी लाइट लगाने तथा टूटी हुई बेंचों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। महापौर ने लेबर रुम में किए गए उन्नयन कार्यों का निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने लेबर रुम में लगाए गए सीटीजी मॉनिटर्स का भी जायजा लिया। साथ ही बाल चिकित्सा आपातकालीन ब्लॉक तथा अन्य वार्डों के उन्नयन कार्यों की प्रगति के बारे में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि हिंदूराव अस्पताल का लगातार उन्नयन एवं आधुनिकीकरण किया जा रहा है, ताकि दिल्लीवासियों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने बताया कि अस्पताल में नई मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं तथा नए ब्लॉक का भी उद्घाटन किया गया है। अस्पताल की आईसीयू की क्षमता 8 बेड से बढ़ाकर 18 बेड की जा रही है, जिसका कार्य प्रगति पर है।

इससे गंभीर मरीजों के उपचार के लिए अस्पताल की क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल के पुराने एवं जर्जर रेजिडेंस ब्लॉक को हटाकर उसके स्थान पर नया वार्ड ब्लॉक विकसित करने की योजना है, जिसमें लगभग 200 बेड की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही पुराने लॉन्ड्री ब्लॉक को हटाकर वहां रेजिडेंस ब्लॉक को स्थानांतरित करने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। इससे अस्पताल परिसर का बेहतर उपयोग हो सकेगा और मरीजों के लिए भविष्य में अतिरिक्त चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

एंटी-इनकंबेंसी से लेकर एसआईआर तक, राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

राहुल गांधी ने एक बार फिर ऐसी पीपीटी पेश की, जिसका स्रोत किसी को पता नहीं है।

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव आयोग पर उठाए गए सवालों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखा पलटवार किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी के आरोपों को तथ्यहीन और भ्रम फैलाने वाला बताया। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी ने एक बार फिर ऐसी पीपीटी पेश की, जिसका स्रोत किसी को पता नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी की उम्र 56 साल है और वह दावा करते हैं कि पिछले 50 वर्षों से राजनीति को देख रहे हैं। ऐसे में लगता है कि उन्होंने 5-6 साल की उम्र से ही राजनीति समझनी शुरू कर दी थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि भारत में एंटी-इनकंबेंसी एक स्थापित

राजनीतिक सच्चाई है, लेकिन उन्हें भारतीय राजनीति का इतिहास ही नहीं पता। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस 1967 के बाद कभी सत्ता में नहीं लौटी, जबकि उस समय भाजपा का अस्तित्व भी नहीं था। पश्चिम बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सत्ता में नहीं आई, बिहार में 1990 से, उत्तर प्रदेश में 1989 से और ओडिशा में 1999 से कांग्रेस सरकार नहीं बना सकी। भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा कि एंटी-इनकंबेंसी अगर लगातार किसी पार्टी के खिलाफ काम करती रही है तो वह कांग्रेस है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारतीय राजनीति की वास्तविकताओं से अनभिज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब चुनावों में मतदाता पहचान पत्र नहीं होते थे, बूथ कैप्चरिंग होती थी, बैलेट बॉक्स लूटे जाते थे और गोलियां चलती थीं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में शायद ही कोई चुनाव हिंसा के बिना संपन्न होता था। उन्होंने दावा किया कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता आने, सीसीटीवी कैमरे लगने और स्वतंत्र मीडिया के मजबूत होने के बाद कांग्रेस को चुनाव जीतने में मुश्किल होने लगी। एसआईआर को लेकर राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) चुनाव आयोग को किसी भी समय विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने का स्पष्ट अधिकार देती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने दावा किया कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1960 के तहत फॉर्म-6 में बदलाव किए गए हैं, जबकि ऐसा कोई बदलाव नहीं हुआ। उन्होंने राहुल गांधी के इस आरोप को भी खारिज किया कि फॉर्म में माता-पिता के नाम जोड़ने को लेकर कोई नया प्रावधान किया गया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के आरोप केवल कांग्रेस ही लगा सकती है। भाजपा ने राहुल गांधी पर चुनाव आयोग की प्रक्रिया को लेकर लोगों में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि उनके बयान तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। इस दौरान, सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पीएम मोदी जमीन से जुड़े हैं।

महान वैज्ञानिक, इसरो के पूर्व अध्यक्ष एवं पद्म विभूषण प्रो. सतीश धवन की जयंती पर नेताओं ने किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। महान वैज्ञानिक, इसरो के पूर्व अध्यक्ष एवं पद्म विभूषण से सम्मानित प्रो. सतीश धवन की जयंती के अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत कई नेताओं ने उनको नमन किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया, 'महान भारतीय रॉकेट वैज्ञानिक, 'इसरो' के भूतपूर्व अध्यक्ष प्रो. सतीश धवन की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन। विज्ञान के क्षेत्र में देश के प्रति उनका योगदान अमूल्य है।' केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री व बिजली मंत्री मनोहर लाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई दिशा देने वाले महान वैज्ञानिक एवं इसरो के पूर्व अध्यक्ष, 'पद्म विभूषण' प्रो. सतीश धवन की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन अर्पित करता हूं। भारतीय विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रो.धवन का योगदान अतुलनीय है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए। आपका दूरदर्शी नेतृत्व, अद्भुत शोध और अथक परिश्रम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणापुंज रहेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'विख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक, दूरदर्शी शोधकर्ता एवं भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के शिल्पकार, पद्म विभूषण से सम्मानित प्रो. सतीश धवन की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन! उन्होंने अपने अद्वितीय नेतृत्व और अतुलनीय योगदान से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा और ऊंचाइयां प्रदान कीं। विज्ञान और अनुसंधान के प्रति उनका समर्पण तथा राष्ट्रनिर्माण की उनकी वैज्ञानिक दृष्टि सदैव प्रेरणादायी रहेगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'सुप्रसिद्ध भारतीय रॉकेट वैज्ञानिक एवं इसरो के पूर्व अध्यक्ष, पद्म विभूषण प्रो. सतीश धवन की जयंती पर सादर नमन करता हूं।